पंचमी पूजा आज

26 सितंबर 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

फजीर्वाड़ा या न्याय की लड़ाई : शिक्षक के वेतन विवाद ने खोली शिक्षा विभाग की पोल
2

भारत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में वैश्विक निवेश के लिए तैयार : पीएम मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

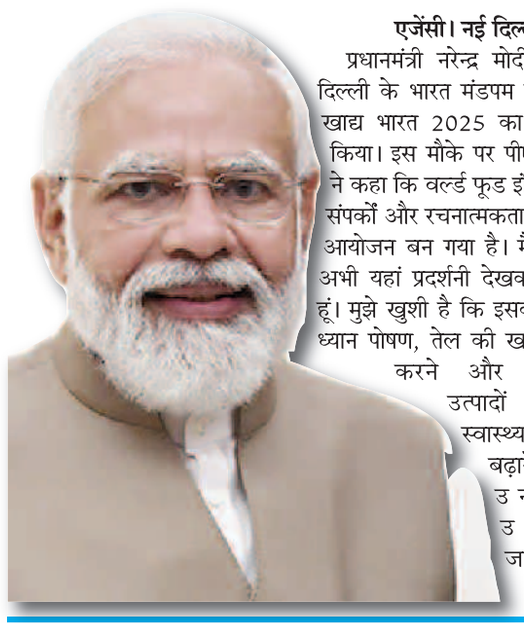

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में विश्व खाद्य भारत 2025 का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि वर्ल्ड फूड इंडिया नए संपर्कों और रचनात्मकता का एक आयोजन बन गया है। मैं अभी-अभी यहां प्रदर्शनी देखकर लौटा हूं। मुझे खुशी है कि इसका मुख्य ध्यान पोषण, तेल की खपत कम करने और पैकेज्ड उत्पादों की स्वास्थ्यवर्धकता बढ़ाने पर है। उन्होंने उद्योग जगत से बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग में नवाचारों में निवेश करने और पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग सामग्री अपनाने का भी आग्रह किया। विश्व खाद्य भारत 2025 के चौथे संस्करण को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश और सहयोग के लिए अपने दरवाजे खुले रखे हैं। भारत में निवेश करने का यह सही समय है। हम खाद्य (प्रसंस्करण) श्रृंखला से जुड़े निवेशकों के लिए खुले हैं। हम सहयोग के लिए तैयार हैं। मैं सभी से भारत में निवेश करने का आग्रह करता हूं क्योंकि यहां अपार अवसर हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम है और बड़ी संख्या में संस्थाएं खाद्य और कृषि क्षेत्रों में काम कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में निरंतर योगदान दे रहा है। सरकार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रसंस्करण क्षमता 20 गुना बढ़ गई है और खाद्य वस्तुओं का निर्यात दोगुना हो गया है। पीएम मोदी ने कहा, आज दुनिया और विशेष रूप से खाद्य क्षेत्र के निवेशक भारत की ओर बड़ी आशा भरी नजरों से देख रहे हैं क्योंकि भारत में विविधता, मांग और पैमाने की त्रिगुण शक्ति विद्यमान है। भारत हर अनाज, हर फल और हर सब्जी का उत्पादन करता है। यही विविधता भारत को दुनिया में विशिष्ट बनाती है। हमारा भोजन और उसका स्वाद हर 100 किलोमीटर पर बदल जाता है। भारत में विविध व्यंजनों की जबरदस्त मांग है। यह मांग भारत को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करती है और इसे निवेशकों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य भी बनाती है। आज भारत जिस पैमाने पर काम कर रहा है, वह अभूतपूर्व और अप्रत्याशित है।

25 करोड़ लोगों ने गरीबी को मात दी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पिछले 10 वर्षों में भारत में 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को मात दी है। ये सभी लोग अब नव-मध्यम वर्ग का हिस्सा बन गए हैं। यह नव-मध्यम वर्ग देश का सबसे ऊर्जावान और आकांक्षी वर्ग है। इतने सारे लोगों की आकांक्षाएं हमारे खाद्य रुझानों को निर्धारित करेंगी। यही आकांक्षी वर्ग हमारी मांग को बढ़ा रही है। आज देश के प्रतिभाशाली युवा हर क्षेत्र में बदलाव ला रहे हैं। हमारा खाद्य क्षेत्र भी इसका अपवाद नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, और इनमें से कई स्टार्टअप खाद्य और कृषि क्षेत्रों में काम करते हैं। एआई, ई-कॉमर्स, ड्रोन और एप्स को भी इस क्षेत्र में एकीकृत किया जा रहा है। ये स्टार्टअप आपूर्ति श्रृंखलाओं, खुदरा और प्रसंस्करण विधियों में बदलाव ला रहे हैं। भारत में विविधता, मांग और नवाचार, सभी मौजूद हैं।

30,000 घूस लेते जिला नियोजन पदाधिकारी और डाटा एंट्री ऑपरेटर गिरफ्तार

एजेंसी। मधुबनी

मधुबनी में भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ निगरानी विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। जिले के बाबूबरही थाना क्षेत्र के भूपट्टी चौक पर निगरानी विभाग की टीम ने छापेमारी कर जिला नियोजन पदाधिकारी मुनाल कुमार चौधरी और डाटा एंट्री ऑपरेटर राहुल कुमार को 30,000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पटना से आए निगरानी विभाग के अधिकारी डीएसपी अमरेंद्र हर विद्यार्थी ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि हाजीपुर निवासी एक संस्थान संचालक से जिला नियोजन पदाधिकारी ने पहले भी प्रतिमाह 5,000 की मांग की थी। इस कार्रवाई में जिला नियोजन पदाधिकारी 20,000 और ऑपरेटर राहुल कुमार10,000 रिश्वत के रूप में ले रहे थे। डीएसपी अमरेंद्र ने कहा कि निगरानी विभाग की इस कार्रवाई से जिले में तैनात अन्य भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। जिले में निगरानी विभाग द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार छापेमारी की जा रही है।

गयाजी जिले के खिजरसराय थाना क्षेत्र के केनी पुल हुआ दर्दनाक हादसा

रील्स बनाने के चक्कर में गयाजी में एक साथ नौ लोग डूबे, पांच की हुई मौत

- सभी किशोर स्कूल से लौट रहे थे, तभी रील बनाने के चक्कर में नदी के किनारे चले गए

एजेंसी। गयाजी

गयाजी जिले के खिजरसराय थाना क्षेत्र के केनी पुल के पास गुरुवार को एक दर्दनाक घटना हुई। बताया जा रहा है कि रील बनाने के चक्कर में 9 किशोर गहरे पानी में डूब गए। स्थानीय ग्रामीणों ने युवकों की मदद के लिए दौड़ लगाई और काफी मशक्कत के बाद सभी 9 किशोरों को नदी से बाहर निकाला गया। एसडीएम केशव आनंद ने बताया कि अंचलाधिकारी और थाना अध्यक्ष की पहल पर 6 किशोरों की पहचान हो गई है। ये इंटप के छात्र थे और फार्म भरने गए थे। इनमें तौसीफ, जासिफ, साहिल, जैम, सूफियान और साजिद शामिल हैं। घटना केनी घाट के समीप हुई। बताया जा रहा है कि रील बनाने के चक्कर में 9 किशोर गहरे पानी में डूब गए। स्थानीय ग्रामीणों ने युवकों की मदद के लिए दौड़ लगाई और काफी मशक्कत के बाद सभी 9 किशोरों को नदी से बाहर निकाला गया। आनन-फानन में उन्हें बेलागंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां इलाज के दौरान 2 गंभीर रूप से घायल किशोरों को बेहतर इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। वहीं, 7 अन्य किशोरों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया, जिनमें से 5 किशोरों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सभी किशोर स्कूल से लौट रहे थे, तभी रील बनाने के चक्कर में नदी के किनारे चले गए और गहरे पानी में चले जाने से यह हादसा हुआ। निमचक बथानी अनुमंडल के एसडीएम केशव आनंद ने बताया कि अंचलाधिकारी और थाना अध्यक्ष की पहल पर 6 किशोरों की पहचान हो गई है। इनमें तौसीफ, जासिफ, साहिल, जैम, सूफियान और साजिद शामिल हैं। घटना केनी घाट के समीप हुई। सभी घायल किशोरों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल भेजा गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ये सभी नदी के किनारे रील बना रहे थे। इसी दौरान रील बनाते-बनाते गहरे पानी में चले गए। उसके बाद खुद को डूबता देख ये लोग चिल्लाने लगे। इन लोगों की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े। उसके बाद किसी तरह चार युवकों को बचाया जा सका। इस संबंध में नीमचक बथानी अनुमंडल के एसडीएम केशव आनंद ने बताया कि अंचलाधिकारी और थानाध्यक्ष के द्वारा घटना की सूचना प्राप्त हुई है। जिसमें बताया गया कि नदी में डुबने वालों में छह लड़कों का नाम में तौसीफ, जासिफ, साहिल, जैम, सुफियान और साजिद है।यह घटना केनी घाट के समीप हुई है।दूसरी ओर घटना कैसे हुई और कैसे क्या कुछ हुआ है यह इलाजरत लड़के सही तरीके से बता पाएंगे।नौ लड़कों में से कोई सगा भाई भी था या इनमें से कुछ लड़के एक ही परिवार के भी थे यह सब जांच के बाद पता चलेगा। इस घटना के बाद परिजनों को पता चला तो गांव में मातम पसर गया है।परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।इस संबंध में बताया जा रहा है कि ये सभी लड़के स्कूल से लौट रहे थे।इसी दौरान वीडियो बनाने के लिए नदी के किनारे चले गए और यह बड़ा हादसा हो गया।इस संबंध में एसडीएम ने बताया कि इनमें से कुछ लड़के 11वीं कक्षा के हैं तो कुछ 12वीं के हैं।

मोदी सरकार में हर गरीबों तक पहुंची बैंकिंग : अमित शाह

एजेंसी। मुंबई

मुंबई में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के विश्लेषक भारत की विकास गाथा को स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र में सुधार लाकर पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था सुनिश्चित की। बीते दस वर्षों में 53 करोड़ बैंक खाते खोले गए। जिससे गरीबों को बैंकिंग तक पहुंच मिली। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में हुए सुधारों को ऐतिहासिक बताया। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र में उन सुधारों की शुरूआत की, जो वर्षों तक भ्रष्टाचार और अपारदर्शिता से ग्रसित रहा। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता लाने के लिए सरकार ने निर्णायक कदम उठाए। शाह ने बताया कि बीते दस वर्षों में देश में 53 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए। इसका उद्देश्य गरीब से गरीब व्यक्ति को भी बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच दिलाना था। उन्होंने कहा कि इससे देश की आर्थिक संरचना मजबूत हुई। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ने पहली बार नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) की जानकारी को पारदर्शी तरीके से प्रस्तुत किया। इससे न केवल बैंकों की कार्यप्रणाली में सुधार आया बल्कि निवेशकों का भरोसा भी बढ़ा।

तेजस्वी समर्थकों पर भड़की रोहिणी

एजेंसी। पटना

बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के परिवार में विवाद बढ़ता ही जा रहा है। इस बीच, रोहिणी आचार्य ने अपने भाई और बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के समर्थकों को खुली चुनौती दी है। दरअसल, लालू प्रसाद यादव को किडनी ना देने से जुड़ी अफवाहों पर रोहिणी आचार्य का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों को लेकर विरोधियों और तेजस्वी यादव के समर्थकों को खुली चुनौती दी है। रोहिणी आचार्य ने मेरी खुली चुनौती है सभी गंदी सोच रखने वालों और ऐसे लोगों को शह दे रहे तमाम लोगों को कि कोई अगर ये साबित कर दे कि मैंने अपने या किसी और के लिए भी कभी कुछ ० कोई मांग किसी के पास रखी और अपने आदरणीय पिता को मेरे द्वारा अपनी किडनी दिया जाना झूठ है। तो राजनीतिक व सार्वजनिक जीवन से खुद को अलग कर लूँगी। रोहिणी आचार्य ने कहा है कि दोषारोपण करने वाले अगर अपना झूठ दुष्प्रचार साबित नहीं कर सके। तो उनमें भी इतना साहस होना चाहिए कि वो सब के सब जिस किसी के भी कहने पर ऐसा कर कह रहे हैं उसके साथ सार्वजनिक तौर पर मुझसे और देश की हर माँ बहन बेटी से ये कहते हुए माफी मांगें कि भविष्य में वो कभी किसी माँ बहन बेटी के बारे में कोई अपमानजनक और झूठी बात नहीं कहेंगे और फैलाएंगे।

सरकार ने लाडो लक्ष्मी योजना का मोबाइल ऐप किया लॉन्च

हरियाणा सरकार अब महिलाओं को देगी हर महीने 2100 रुपये

केटी न्यूज/चंडीगढ़

21 लाख महिलाओं को अब हर महीने 2100 रुपये भत्ता मिलेगा। लाडो लक्ष्मी योजना ऐप पर रजिस्ट्रेशन के बाद राशि सीधे बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। झारखंड के बाद अब इस राज्य में महिलाओं को हर महीने आएगा। 23 से 60 साल की करीब 21 लाख महिलाओं के लिए सरकार लाडो लक्ष्मी योजना की घोषणा की है। इसके अंतर्गत एक लाख रुपये वार्षिक आय वाले परिवार की महिला क 2100 रुपया महीना भत्ता मिलेगा। इस योजना के लाभ के लिए लक्ष्मी योजना का मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है। हरियाणा की भाजपा सरकार ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए भत्ता देने की अपनी चुनावी घोषणा की गयी है। पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस योजना का एप लॉन्च किया। ऐप लॉन्च होते ही 50 हजार महिलाओं ने तुरंत इसे डाउनलोड किया और 10 हजार ने तो रजिस्ट्रेशन भी करवा लिया। हरियाणा सरकार राज्य की 21 लाख महिलाओं के बीच हर महीने 5000 करोड़ रुपये भत्ता के रूप में बांटेगी। इस योजना के तहत लाभूक महिलाओं के बैंक अकाउंट में सीधे 2100 रुपये 01 नवम्बर से हर महीने मिलने लगेंगे। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने बताया कि यह प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए मील का पत्थर साबित होगा। बता दें कि झारखंड में मंईयां सम्मान योजना के तहत लाखों महिलाओं के खाते में 2500 रुपये महीने हेमंत सरकार दे रही हैं।

पुराना भोजपुर मध्य विद्यालय में छात्र की पिटाई के बाद उग्र हुए अभिभावक, जमकर काटा बवाल

- पुलिस के हस्तक्षेप के बाद शांत हुआ मामला, छात्रा की पिटाई के आरोप में शिक्षक ने छात्र की बेरहमी से कर दी थी पिटाई

केटी न्यूज/डुमरांव

पुराना भोजपुर मध्य विद्यालय में अभिभावकों व शिक्षकों के बीच टकराव की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही है। गुरूवार को भी एक छात्र की पिटाई के बाद उग्र अभिभावकों ने जमकर हंगामा मचाया। इस दौरान शिक्षक विद्यालय के मुख्य गेट में ताला जड़ खुद को सुरक्षित किए। बाद में घटना की

जानकारी मिलने पर पहुंची नया भोजपुर थाने की पुलिस ने आक्रोशित अभिभावकों को समझा बुझाकर शांत कराया तथा शिक्षक को दुबारा किसी छात्र को इस कदर बेरहमी से नहीं पिटने की नसीहत दी। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को विद्यालय में पांचवी कक्षा का एक छात्र कृष्णा कुमार ने किसी छात्रा की पिटाई कर दी थी। छात्रा की शिकायत पर बुधवार को शिक्षक ने उक्त छात्र को बुलवाया, लेकिन वह छात्र भाग खड़ा हुआ। जिसके बाद गुरूवार को विद्यालय पहुंचते ही शिक्षक ने उक्त छात्र की जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद रोता-विलखता छात्र अपने घर पहुंचा तथा अपनी मां तथा अन्य स्वजनों को इस घटना की जानकारी दी। इसके बाद आक्रोशित परिजन विद्यालय पहुंचे, लेकिन उनके आक्रोश को देखते हुए विद्यालय प्रबंधन ने मुख्य गेट में ताला जड़ दिया तथा स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस के पहुंचने के पहले करीब आधा घंटा तक मध्य विद्यालय के मुख्य गेट के पास परिजन तथा ग्रामीण हंगामा करते रहे। इसके बाद पहुंची पुलिस ने अभिभावकों तथा शिक्षकों के साथ कार्यालय में वार्ता कर दोनों पक्षों को समझाया। पुलिस ने एक तरफ अभिभावकों को इस तरह विद्यालय में हंगामा नहीं करने को कहा वहीं शिक्षकों को भी छात्रों की बेरहमी से पिटाई के बजाय बड़ी गलती पर अभिभावक या पुलिस को सूचना देने की बात कही। इस दौरान करीब एक घंटे तक विद्यालय में उहापोह की स्थिति बनी रही। अभिभावकों का कहना था कि शिक्षक को कानून हाथ में नहीं लेना चाहिए था। यदि छात्र ने गलती की थी तो इसकी सूचना विद्यालय शिक्षा समिति या अभिभावक को देना चाहिए था। अभिभावकों का आरोप था कि ऐसी घटनाओं से छात्र कुंठा का शिकार होते है। गौरतलब हो कि कुछ दिन पूर्व भी इस विद्यालय में अभिभावकों व शिक्षको के बीच विवाद हुआ था।

> मामल की जानकारी मिली है। इसकी जांच करवाई जाएगी तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित शिक्षक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।
> **- सुधांशु कुमार, बीईओ, डुमरांव**

शिक्षा व पर्यावरण संदेश के साथ मनाया गया डीके कॉलेज प्राचार्या का जन्मदिन

डुमरांव। डीके कॉलेज, डुमरांव की प्राचार्या डॉ. वीणा अमृत का जन्मदिन छात्र राजद की ओर से धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर छात्र नेताओं व शिक्षकों ने मिलकर उन्हें सम्मानित किया। समारोह की शुरूआत केक काटकर हुई और इसके बाद पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। जन्मदिन समारोह में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के प्रधान महासचिव अभिषेक यादव उर्फ जंगली यादव, डीके कॉलेज अध्यक्ष मनीष यादव, छात्र नेता आशीष यादव, पूर्व कोषाध्यक्ष राजू खान, युवा नेता सोनू यादव, राहुल यादव, आयुष यादव, पप्पू यादव और सुनील कुमार समेत अन्य छात्र-नेता और गणमान्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि डॉ. वीणा अमृत न केवल एक कुशल प्राचार्या हैं, बल्कि शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय है। सभी ने उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने की भी प्रेरणा देते हैं। पौधरोपण के माध्यम से समारोह को और भी सार्थक बनाया गया। छात्र नेताओं ने कहा कि यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित भविष्य का प्रतीक है। मौके पर मौजूद लोगों ने प्राचार्या को बधाई देते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की।

फजीर्वाड़ा या न्याय की लड़ाई : शिक्षक के वेतन विवाद ने खोली शिक्षा विभाग की पोल

- कोर्ट की फटकार के बाद विभाग में हड़कंप,
- आठ शिक्षकों पर फर्जी बहाली का आरोप
- 15 अक्टूबर को कटघरे में खड़े होंगे शिक्षा विभाग के अधिकारी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला शिक्षा कार्यालय का रवैया एक बार फिर कटघरे में है। कोर्ट के आदेश के बावजूद शिक्षक विक्रमादित्य राय उर्फ विक्रमा राय का बकाया वेतन भुगतान नहीं हो पाया है। लंबे संघर्ष के बाद जब न्यायालय ने वेतन भुगतान का आदेश दिया, तो शिक्षा विभाग के अधिकारियों की नींद टूटी। लेकिन जैसे ही पुराने दस्तावेजों की जांच शुरू हुई, मामला और उलझ गया। दरअसल, 16 नवंबर 2013 को चौसा की तत्कालीन बीडीओ पुष्पा राय ने राजपुर थाना में आठ सहायक शिक्षकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि इन शिक्षकों ने जालसाजी और धोखाधड़ी से नौकरी हासिल की है। इस एफआईआर में विक्रमादित्य राय का भी नाम शामिल है। यही दस्तावेज अब वेतन भुगतान पर सबसे बड़ा रोड़ा बन गया है। विक्रमादित्य राय बक्सर जिले के राजकीय बुनियादी विद्यालय सरेंजा में सहायक शिक्षक पद पर तैनात थे। लेकिन उन्हें नियमित वेतन नहीं मिल पा रहा था। मजबूर होकर उन्होंने 2017 में कोर्ट की शरण ली। सिविल कोर्ट ने उनके पक्ष में आदेश पारित कर बकाया वेतन का भुगतान करने को कहा। मगर शिक्षा विभाग ने आदेश का अनुपालन नहीं किया। इसके बाद विक्रमादित्य ने फिर परिवाद दायर किया। जनवरी 2025 में कोर्ट ने एक बार फिर विभाग को वेतन भुगतान का आदेश दिया, लेकिन हालात जस के तस रहे। आखिरकार, 15 अक्टूबर को सिविल कोर्ट के मुंसफ-02 ने शिक्षा विभाग के डायरेक्टर प्राइमरी व सेकेंड्री, आरडीडी, डीईओ और बीईओ को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया। इससे पहले जनवरी माह में भी नोटिस जारी हो चुका था।

जनता में गुस्सा, विभाग पर सवाल : स्थानीय शिक्षकों और जनता का कहना है कि विभाग भ्रष्टाचार के पुराने मामलों की आड़ में शिक्षकों को उनके अधिकार से वंचित कर रहा है। यदि नियुक्ति फर्जी थी, तो इतने वर्षों तक विभाग मौन क्यों था तथा कोर्ट में मजबूत पक्ष क्यों नहीं रखा गया और अगर सेवा वैध थी, तो फिर वेतन रोकना न सिर्फ नियमों के खिलाफ है बल्कि मानवाधिकारों का भी उल्लंघन है। बता दें कि शिक्षक का बकाया वेतन भुगतान का मामला अब न्यायालय बनाम शिक्षा विभाग की टकराहट में बदल गया है। 15 अक्टूबर को जब अधिकारी कोर्ट में पेश होंगे, तब यह स्पष्ट होगा कि विभाग अपनी गलती सुधारता है या फिर एक बार फिर लापरवाही और फजीर्वाड़े की ढाल ओढ़कर मामले को उलझाता है, यह देखना दिलचस्प बन गया है।

अधिकारियों की लापरवाही या सुनियोजित देरी

शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर आरोप है कि वे मामले को जानबूझकर लटकाते रहे। कोर्ट में पेशी के दौरान विभागीय अधिकारी बिना तैयारी पहुंचे और अपना पक्ष मजबूत तरीके से नहीं रख पाए। नतीजतन, न्यायालय ने न केवल वेतन भुगतान का आदेश दिया बल्कि अधिकारियों को फटकार भी लगाई। शिक्षा विभाग के अधिकारी भी इस बात को स्वीकार कर रहे है कि मामला संवेदनशील है और कोर्ट का आदेश मिला है। उन्होंने कहा कि सभी दस्तावेज वरीय अधिकारियों को भेज दिए गए हैं। जांच पूरी होने के बाद ही नियमानुसार निर्णय लिया जाएगा। वहीं, डीईओ संदीप रंजन ने भी माना कि कोर्ट से नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। दस्तावेजों की समीक्षा के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

फर्जी बहाली का भूत बना रोड़ा

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या विक्रमादित्य राय को उनका बकाया वेतन मिलेगा या फिर 2013 की एफआईआर उनके हक पर भारी पड़ेगी? फर्जी बहाली का यह मामला शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। वर्षों तक न्यायालय के आदेशों का पालन न करना और अब पुराने केस का हवाला देकर वेतन रोकने के विभाग की कवायद पर देखना है कि कोर्ट क्या निर्णय दे रहा है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

नगर के हर वार्ड में लगेंगे 5 चापाकल और 2 समरसेबल बोरिंग

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद नगरवासियों की सुविधाओं और विकास के लिये काफी तत्परता दिखा रहा है। शहर क अधिकांश मोहल्लों में पेयजल की समस्या खड़ी है, लोग जो शहर में दो जलमीनार से पानी की सप्लाई होती है, उसी पर निर्भर है। दशकों पहले खड़े गए जलमीनार से पानी आपूर्ति के लिये भूमिगत पाइप बिछाया गया है, उसी से घरों को कनेक्शन दिया गया है। दर्जनों स्थान ऐसे हैं, जहां भूमिगत पाइप टूट गया है और उसका संबंध नाली से हो गया है। टूटे पाइप से नाली का संबंध होने से गंदा पानी उसमें प्रवेश कर जाता है, जिसे पीकर लोग बीमार पड़ रहे हैं। इसबार नगर परिषद ने नगरवासियों को स्वच्छ पानी पिलाने के लिये प्रत्येक वार्ड में 2 समरसेबल बोरिंग और 5 चापाकल लगाने जा रही है, इसके लिये स्थल का चयन करने का काम शुरू कर दिया गया है। इसकी जानकारी देते हुए सिटी प्रबंधक एस सिन्हा और जेई अत्युश कुमार ने गुरूवार को स्थल चयन का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया की जिस वार्ड का जो पार्षद है, उससे सलाह लेकर स्थल का निरीक्षण किया जा रहा है। नगर विकास विभाग से महले आदेश का पालन करते हुए डुमरांव नगर परिषद ने कार्य करना शुरू कर दिया है, इससे वार्ड पार्षद और आम जनों में खुशी है। आमजनों की यह राय है कि यह काम बहुत पहले ही कर दिया जाना चाहिए था, क्योंकि पांच दशक पहले जो शहर में पेयजल का पाइप बछाया गया है, आज भी जलापूर्ति उसी से किया जाता है।

सीमा पार अपराध रोकने को बिहार-यूपी पुलिस ने बनाई संयुक्त रणनीति

केटी न्यूज/बक्सर

विधानसभा चुनाव और आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण व सुरक्षित माहौल में सम्पन्न कराने के लिए बिहार और उत्तर प्रदेश पुलिस ने बॉर्डर सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। बक्सर में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव पांडेय के नेतृत्व में आयोजित संयुक्त बैठक में दोनों राज्यों के अधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि सीमा क्षेत्र में अपराध और तस्करी पर पूरी तरह से नकेल कसने के लिए सघन अभियान चलाया जाएगा। बैठक में यह तय किया गया कि शराब, हथियार और नकदी की अवैध आवाजाही पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। इसके लिए बॉर्डर इलाकों में नाकाबंदी, गश्ती और संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग की जाएगी। होटल-ढाबों और ठहरने वाले संदिग्ध व्यक्तियों पर भी पुलिस की नजर रहेगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चुनाव व त्योहारों के दौरान किसी भी तरह का माहौल बिगाड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। अपराधियों की पहचान कर उन्हें चिन्हित किया जाएगा और समय रहते उनकी गतिविधियों पर रोक लगाई जाएगी। साथ ही असामाजिक तत्वों और शराब माफियाओं से जुड़े मामलों पर पुलिस का विशेष फोकस रहेगा। दोनों राज्यों की पुलिस ने तय किया कि वे लगातार आपस में संपर्क बनाए रखेंगी और सूचनाओं का आदान-प्रदान कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी। अधिकारियों ने आमजन से भी अपील की कि संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके। पुलिस का कहना है कि त्योहारों के समय भीड़भाड़ बढ़ने से असामाजिक तत्व सक्रिय हो जाते हैं, ऐसे में जनता का सहयोग बेहद जरूरी है। प्रशासन की प्राथमिकता है कि चुनाव और पर्व-त्योहार पूरी तरह से शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हों।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

2025 के चुनाव में नये राजनीतिक युग की शुरूआत होगी : रवि उज्ज्वल कुशवाहा

- जनसंपर्क अभियान में भ्रष्ट नेताओं पर साधा निशाना, जनता से लिखित गारंटी लेकर ही वोट देने की अपील

केटी न्यूज/डुमरांव

जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने गुरुवार को डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के लोगों से मुलाकात की और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि 2025 का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि नये राजनीतिक युग की शुरूआत साबित होगा।

उन्होंने सीधे तौर पर भ्रष्ट नेताओं पर हमला बोलते हुए कहा कि चाहे किसी भी दल के क्यों न हों, ह्रदलाल टाइपह्व नेताओं का राजनीतिक अंत इस चुनाव में निश्चित है। जनता अब जाग चुकी है और ऐसे लोगों को हर कीमत पर जवाब देगी। रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि अब सिर्फ वादों पर भरोसा नहीं करना है। जनता को चाहिए कि नेताओं से स्टांप पेपर पर लिखित एग्रीमेंट और गारंटी लेकर ही वोट दें। उन्होंने कहा कि जब तक नेता जनता के हितों की गारंटी लिखित रूप में नहीं देंगे, तब तक उनके खोखले वादों पर भरोसा करना नुकसानदेह होगा।

भ्रष्टाचार और दलाली पर कड़ा रुख

जदयू नेता ने कहा कि बिहार में लंबे समय से कुछ भ्रष्ट नेता और दलाल प्रवृत्ति के लोग राजनीति को बदनाम कर रहे हैं। ये नेता सिर्फ अपना फायदा देखते हैं और जनता को ठगते हैं। लेकिन इस बार जनता उन्हें सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी है। उन्होंने कहा कि डुमरांव विधानसभा की जनता हमेशा से जागरूक रही है और इस बार भी वह सही निर्णय लेकर क्षेत्र और राज्य की तस्वीर बदलने में योगदान देगी।

बड़ी संख्या में मौजूद थे समर्थक

जनसंपर्क अभियान के दौरान कई स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। इनमें बीरेन्द्र कुशवाहा, विश्वनाथ चौधरी, सुरेश राम, गुप्ता प्रसाद, गोविन्द शर्मा, दिपक कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे। सभी ने आगामी चुनाव में भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति के लिए एकजुट होने का संकल्प लिया। अंत में रवि उज्ज्वल ने कहा कि 2025 का चुनाव जनता बनाम भ्रष्ट नेता की लड़ाई है और इसमें निश्चित रूप से जनता की जीत होगी।

मध्य रात्रि घर में घुसकर युवक ने महिला को चाकू मार किया जख्मी

- घटना के तुरंत बाद पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार, भेजा गया जेल, सिकरौल थाना क्षेत्र के भदार गांव की है घटना

केटी न्यूज/नावानगर

सिकरौल थाना क्षेत्र के भदार गांव में बुधवार की रात उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक ने पड़ोस की महिला पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से जख्मी महिला को इलाज के लिए बक्सर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार भदार गांव निवासी रमन सिंह का घर मुशहर टोली के बगल में स्थित है। बुधवार रात लगभग 11 बजे के करीब गांव का ही धीराजन मुशहर उर्फ भोला मुशहर, जो लंगड़ मुशहर का पुत्र है, अचानक रमन सिंह के घर में घुस गया। घर में प्रवेश करते ही उसने रमन सिंह की पत्नी शिला देवी पर चाकू से वार कर दिया। घटना के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। शिला देवी लहूलुहान होकर गिर पड़ीं। शोरगुल सुनकर आसपास के ग्रामीण जुटे और तुरंत डायल 112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायल महिला को सीएचसी नावानगर ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बक्सर रेफर कर दिया। वर्तमान में बक्सर के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में शिला देवी का इलाज चल रहा है, जहां वह जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही हैं। इधर पुलिस ने घटना के तुरंत बाद आरोपी भोला मुशहर को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष अंकुश कुमार मंडल ने बताया कि पीड़िता के पति रमन सिंह के आवेदन पर आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रयास करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। गुरुवार को उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गांव में घटी इस घटना से लोगों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय अचानक घर में घुसकर इस तरह हमला कर देना निंदनीय और चौंकाने वाली बात है। वहीं पुलिस का कहना है कि घटना के कारणों की गहराई से जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोरानसराय पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

डुमरांव। दशहरा पर्व के मद्देनजर, शांति और सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को कोरानसराय पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी के नेतृत्व में यह मार्च थाना क्षेत्र के कई संवेदनशील और मुख्य गांवों से होकर गुजरा, जिसका उद्देश्य लोगों में सुरक्षा की भावना को बल देना और असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी देना था। यह फ्लैग मार्च विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर केंद्रित रहा जहाँ दुर्गा पूजा के पंडाल स्थापित किए जाते हैं और पर्व के दौरान लोगों की भारी भीड़ जमा होती है। पुलिस टीम ने कोरानसराय बाजार सहित आस-पास के महत्वपूर्ण मार्गों और चौराहों पर पैदल मार्च किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उन्हें पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। थानाध्यक्ष ने बताया कि दशहरे जैसे बड़े त्योहारों के दौरान अक्सर कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती बढ़ जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस फ्लैग मार्च का मुख्य लक्ष्य जनता को यह भरोसा दिलाना है कि पुलिस उनकी सुरक्षा के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। साथ ही, उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने या किसी भी तरह की अशांति पैदा करने की कोशिश करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। मार्च के दौरान, पुलिस बल ने गांवों के गणमान्य व्यक्तियों और पूजा समितियों के सदस्यों से भी मुलाकात की और उन्हें आवश्यक सुरक्षा दिशा निदेर्शों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्हें निर्देश दिया गया कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। पुलिस ने कहा कि पर्व की समाप्ति तक क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती और गश्त जारी रहेगी।

नप के कार्यकारी चेयरमैन ने पूर्व ईओ पर लगाया अनियमिता का आरोप

डुमरांव। नगर परिषद के कार्यकारी चेयरमैन विकास ठाकुर ने बुधवार को अपने कार्यालय में प्रेसवार्ता का आयोजन कर नगरपरिषद के पूर्व ईओ मनीष कुमार द्वारा कार्यों में बरती गई अनियमितता खुलासा का किया है। पूर्व ईओ के संबंध में कार्यकारी चेयरमैन का कहना है कि इनके द्वारा अपने पद का जमकर दुरूपयोग किया गया है। उन्होंने इस बात का खुलासा करते हुए कहा कि मेरे द्वारा नप कार्यालय में दिनांक 15 सितम्बर 2025 को लिखित आवेदन दिया गया था कि नगर परिषद की खरीदारी की जितनी भी संचिका है उसको उपलब्ध करवाया जाए, परन्तु प्रधान सहायक और लेखापाल द्वारा बताया गया कि कोई भी संचिका कार्यालय में उपलब्ध नहीं है, इससे प्रतीत होता है कि पूर्व चेयरमैन तथा तत्कालीन कार्यपालक पदाधिकारी के मिलीभगत से करोड़ो रुपए की उगाही बिना कार्य किए गए ही किया गया है। उन्होंने कहा की इसके जांच के लिये नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखा जाएगा। बैठक में पार्षद कंचन सिन्हा, कन्हैया राम, राजेश सिंह, पवन गोंड, अनिल कुमार राय, अरविन्द शर्मा, एकराम खान, निजामुद्दीन, पिंकू मलिक, चंद्रावती देवी आदि पार्षदों व उनके प्रतिनिधियों ने कहा कि पद मुक्त होने के बाद सारी फाइल कार्यालय से गायब हो जाना अनियमित कार्यों किओर बड़ा संकेत दे रहा है। बैठक में उपस्थित वार्ड पार्षदों ने कहा कि नगर आवास विभाग के प्रधान सचिव से लेकर जिला अधिकारी तक पत्राचार के माध्यम से शिकायत की जाएगी एवं भ्रष्टाचार के सारे पोल खोलकर जनता के समक्ष रखे जाएंगे। इसकी पूरी तैयार के साथ शिकायत दर्ज करायी जाएगी, जिससे जांच करने में किसी अधिकारी को कोई परेशानी नहीं हो। इनका कहना है कि जिस समान का उपयोग नहीं है, उसकी खरीदारी करोड़ो रुपए की कर ली गई है। इसका जीता जागता उदाहरण प्रखंड कार्यालय परिसर में लगभग एक साल से पड़ा कम्पैक्टर मशीन और कूड़ा ढोने वाला वाहन।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव मोहन गुप्ता ने पत्र में सप्तमी से पहले सड़क पर परिचालन बहाल करने की मांग की

डुमरांव में सड़क निर्माण की मंथर गति पर चैंबर ऑफ कॉमर्स ने एसडीएम व डीएम को लिखा पत्र

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव स्टेशन रोड के निर्माण के लिए पिछले एक महीने से परिचालन ठप पड़ा है। स्टेशन रोड के साथ ही नया थाना से शक्ति द्वार तक जाने वाले पथ का मरम्मत कार्य भी शुरू कर दिया गया है। जिस कारण शहर की टैजफिक व्यवस्था चरमरा गई है। इसका सीधा असर यहां के व्यवसाय पर पड़ रहा है। जिस कारण व्यवसायियों में गहरी नाराजगी है। खासकर दुगार्पूजा जैसे बड़े त्योहार के दौरान शहर का परिचालन बाधित होने से व्यवसाय पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स डुमरांव के सचिव शत्रुघ्न प्रसाद (मोहन जी) ने इस मामले में डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार व जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह को पत्र भेज सप्तमी तक स्टेशन रोड का परिचालन पूर्णतः बहाल करने की मांग की है।

अधिकारियों को भेजे पत्र में शत्रुघ्न ने जिक्र किया है कि सड़क निर्माण के नाम पर पिछले एक महीने से स्टेशन रोड में परिचान बाधित है। इसके साथ ही नया थाना से शक्ति द्वार रोड का निर्माण कार्य भी चल रहा है, जिस कारण इस पथ में भी परिचालन ठप कर दिया गया है। जबकि पहले से ही साफाखाना रोड की स्थिति काफी दयनीय हो गई है। जिस कारण शहर में टैजफिक व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी हो चुकी है।

इसके अलावे सुरक्षा के दृष्टिकोण से नगर परिषद द्वारा लगाया गया अधिकांश सीसीटीवी कैमरा भी बंद पड़ा है। जिससे टैजफिक के साथ ही सुरक्षा व निगरानी व्यवस्था भी कमजोर हो गई है।

सचिव ने लिखा है कि दुगार्पूजा, दीपावली व छठ के दौरान डुमरांव में करोड़ो का कारोबार होता है, लेकिन परिचालन व्यवस्था बाधित होने से शहर के व्यवसायी मायूस है। दशहरा मेला शुरू होने वाला है, लेकिन सड़क निर्माण की रफ्तार को देख ऐसा लग रहा है कि यह छठ तक भी पूरा नहीं होगा। जिससे व्यवसायियों का व्यवसाय पूरी तरह से चौपट हो जाएगा।

सचिव का कहना है कि यह समय व्यवसाय के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। जबकि इसके पहले बरसात के दौरान व्यवसाय बाधित हो रहा था। उन्होंने एसडीएम व जिलाधिकारी से त्योहारी सीजन में परिचालन बाधित होने से व्यवसायियों को हो रही दिक्कतों तथा उनके आक्रोश का जिक्र करते हुए दशहरा मेला के पहले मुख्य पथ का परिचालन सुचारू कराने तथा सड़क किनारे के लाईट व सीसीटीवी कैमरा को दुरूस्त कराने की मांग की है।

गौरतलब हो कि डुमरांव में सड़क निर्माण पर शियासत भी खूब गरमाई है। इस मामले में डुमरांव विधायक तथा भाजपा एक दूसरे के आमने-सामने भी आए है। वहीं, अब चैंबर ऑफ कॉमर्स के आगे आने के बाद प्रशासन पर सड़क निर्माण शीघ्र पूरा कराने का दबाव बढ़ गया है।

अब देखना है कि चैंबर ऑफ कॉमर्स के पत्र के बाद सड़क निर्माण में कितना तेजी आ पाती है।

बिजली बिल सुधार व नए कनेक्शन को लेकर आयोजित हुआ विशेष शिविर

केटी न्यूज/चौसा

बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए गुरूवार को चौसा प्रखंड मुख्यालय परिसर में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बिजली बिल सुधार, नए कनेक्शन, मीटर से जुड़ी समस्याओं के समाधान सहित विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान उपभोक्ताओं की समस्याओं को ध्यान से सुना गया तथा उसका त्वरित समाधान बिजली विभाग के अधिकारियों ने किया। शिविर में उपस्थित कनीय अभियंता अजय कुमार सिंह ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली की योजना का लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा। साथ ही जिन उपभोक्ताओं को नए कनेक्शन की

आवश्यकता है, उनके लिए भी प्रखंड स्तर पर आसान प्रक्रिया उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि बिजली से संबंधित छोटी-बड़ी परेशानियों को देखते हुए यह शिविर महत्वपूर्ण कदम है। अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान कराएं और सरकार की योजनाओं का लाभ लें। इस पहल से न केवल उपभोक्ताओं की शिकायतें दूर होंगी बल्कि बिजली सेवा और अधिक सुगम व पारदर्शी हो सकेगी। उन्होंने बताया कि यह अभियान प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में 3 अक्टूबर तक आयोजित किए जाएंगे, ताकि ग्रामीण और शहरी उपभोक्ता दोनों आसानी से लाभ उठा सकें। गुरुवार को आयोजित शिविर विभिन्न मामलों के 14 आवेदन जमा किये गए।

विवाद में मारपीट के आरोपी की गिरफ्तारी, भेजा गया जेल

केटी न्यूज/बक्सर

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के करहंसी गांव में हाल ही में हुए विवाद एवं मारपीट मामले के मुख्य आरोपी को पुलिस ने छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, बीते दिनों दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट की घटना हुई थी, जिसमें कई लोग घायल भी हुए थे। इस मामले में करहंसी गांव निवासी अनंत सिंह को आरोपी बनाया गया था। घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था और पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी। गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अपने घर पर मौजूद है। इसके बाद मुफस्सिल थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए छापेमारी कर अनंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की और आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश पर आरोपी को जेल भेज दिया गया।

माता कूष्मांडा की पूजा कर डुमरांव के लोगों ने मांगा सुख–समृद्धि का आशीर्वाद

केटी न्यूज/डुमरांव

नवरात्र के चौथे दिन गुरुवार को शहर के देवी मंदिरों में मां कूष्मांडा की पूजा विधि-विधान के साथ की गई। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने रेलवे स्टेशन स्थित दुर्गा मंदिर, काली मंदिर, डुमरेजनी मंदिर आदि स्थानों के देवी मंदिरों में पूजा-अर्चना कर मां से खुशहाली व समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। सुबह से मंदिर परिसरों में भक्त कतारबद्ध होकर अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे थे। दोपहर से शाम तक मंदिरों में भीड़ कुछ कम रही। लेकिन, शाम से रात तक

एक बार फिर भीड़ बढ़ गयी। श्रद्धालुओं ने नारियल, चुनरी, अड़हुल की माला आदि अर्पित की। इसके बाद धूप और दीप से आरती कर मां की पूजा की। शाम को बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालुओं ने देवी मंदिरों में घी के दीपक जला कर श्रद्धा निवेदित की। घरों में भी धूप दीप और मंत्रों की गूंज के बीच मां दुर्गा की आराधना की गयी। आचार्य पं. विंध्याचल ओझा जी महाराज ने बताया कि मां कूष्मांडा को अष्टभुजा देवी कहा जाता है। उनकी आठ भुजाएं हैं। मां कूष्मांडा के हाथों में धनुष, बाण, कमल पुष्प, चक्र, गदा, कमंडल, जप माला और अमृकपूर्ण कलश कहता है। मां कुष्मांडा सिंह की सवारी करती है। मां की पूजा में हरे रंग के प्रयोग सबसे ज्यादा करना चाहिए। शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन मां दुर्गा के चौथे स्वरुप मां कूष्मांडा की पूजा अर्चना की जाती है। मां कूष्मांडा की मंद मुस्कान से ही इस संसार ने सांस लेना शुरू किया, यानी इनसे ही सृष्टि का आरंभ हुआ है। जब सृष्टि में चारों तरफ अंधकार फैला हुआ था। तब देवी कूष्मांडा ने अपनी मंद मुस्कान से अंधकार का नाश करके सृष्टि में प्रकाश किया था। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति मां कूष्मांडा की सच्चे दिल से पूजा अर्चना करता है उनके सभी रोग दोष नष्ट हो जाते हैं। साथ ही मां कूष्मांडा सकी पूजा से व्यक्ति को यश, बल और धन की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन से सारा अंधकार दूर होता है। यदि विद्यार्थी मां कूष्मांडा की पूजा करते हैं तो उन्हे बुद्धि विवेक में वृद्धि होती है। साथ ही व्यक्ति की सारी मनोकामनाएं भी पूरी होती है।

भक्ति और आस्था से गूंज उठा बिक्रमगंज : चतुर्थ स्वरूप मां कुष्मांडा की श्रद्धापूर्वक आराधना

केटी न्यूज/रोहतास

नवरात्र के अवसर पर गुरुवार को बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी शहरी एवं ग्रामीण कस्बों में मां दुर्गा के चतुर्थ स्वरूप मां कुष्मांडा की श्रद्धापूर्वक आराधना की गई । सुबह से ही विभिन्न पूजा पंडालों,देवालयों एवं घरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी रही । श्रद्धालु भक्ति भाव और पूर्ण आस्था के साथ माता की पूजा-अर्चना करते नजर आए । माना जाता है कि मां कुष्मांडा की उपासना से भक्तों को अष्टसिद्धि और नव निधियां प्राप्त होती हैं तथा स्वास्थ्य, समृद्धि और दीघार्यु का आशीर्वाद मिलता है ।इसी श्रद्धा और विश्वास के साथ भक्तों ने मां के समक्ष

दीप,धूप, नैवेद्य और पुष्प अर्पित कर मंगलकामना की । पूजा पंडालों में आकर्षक सजावट और भव्य अलंकरण से वातावरण भक्तिमय बना हुआ था । नगर और प्रखंड के विभिन्न दुर्गा पंडालों में सुबह से शाम तक विशेष पूजा-अर्चना,भजन-कीर्तन और देवी स्तुति का आयोजन हुआ । महिला श्रद्धालु भी माता की आराधना में पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ शामिल हुईं । पंडित हरिशरण दुबे ने बताया कि नवरात्र के चौथे दिन मां कुष्मांडा की आराधना करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है । माता की कृपा से समस्त रोग- व्याधियां दूर होती हैं और भक्त के घर- परिवार में सुख-समृद्धि आती है । वहीं पंडित लालबाबू दुबे ने कहा कि मां कुष्मांडा को सृष्टि की अधिष्ठात्री माना गया है । नवरात्र के इस दिन भक्तों को चाहिए कि वे मां के चरणों में अर्घ्य, पुष्प और नैवेद्य अर्पित कर न केवल अपनी बल्कि समाज की मंगलकामना करें । पूजा आयोजकों ने बताया कि माता के चतुर्थ स्वरूप की आराधना से नवरात्र की साधना पूर्णता की ओर बढ़ती है ।

दुगार्पूजा को लेकर गुरुवार को बिक्रमगंज थाना परिसर में अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की बैठक

दुगार्पूजा में शांति, सुरक्षा और दिशा- निर्देशों का पालन जरूरी : एडीएम

केटी न्यूज/रोहतास

दुगार्पूजा को लेकर गुरुवार को बिक्रमगंज थाना परिसर में अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता रोहतास एडीएम ललित भूषण रंजन ने की । इस बैठक में एसडीएम प्रभात कुमार,एएसपी सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार, एलआरडीसी संतोष कुमार, फायर ब्रिगेड के वरीय अधिकारी, इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधि, अनुमंडल के सभी विभागों के अधिकारी,सभी थानाध्यक्ष, बीडीओ, सीओ समेत पूजा समिति अध्यक्ष व सदस्य,शांति समिति सदस्य, प्रबुद्धजन, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय थाना के पुलिस अधिकारी व कर्मी शामिल हुए । बैठक के दौरान अनुमंडल क्षेत्र से आये पूजा समिति अध्यक्ष,सदस्य व जनप्रतिनिधियों ने दुगार्पूजा के दौरान

सुरक्षा,स्वास्थ्य,यातायात की व्यवस्था,बिजली,पानी,साफ-सफाई, अग्निशमन व अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित अपनी बातें प्रशासन के समक्ष रखीं । अधिकारियों ने सभी मुद्दों को गंभीरता और बारीकी से सुना । एडीएम ललित भूषण रंजन ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दुगार्पूजा के दौरान शांति,सौहार्द्र और कानून-व्यवस्था बनाये रखना सबसे अहम है । सरकार द्वारा जारी किए गए गाइडलाइन का अक्षरसः पालन सुनिश्चित करना होगा । सभी पूजा समितियों से अपील है कि वे पंडालों में उचित अग्निशमन की व्यवस्था, साफ-सफाई,भीड़-नियंत्रण और यातायात व्यवस्था में प्रशासन को सहयोग करें । सोशल मीडिया पर अफवाह या भ्रामक संदेश फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी । सभी अधिकारी अपने-अपने स्तर पर पूरी सतर्कता व मुस्तैदी के साथ कार्य करें,ताकि त्योहार शांतिपूर्ण व सफलतापूर्वक संपन्न हो सके ।एसडीएम प्रभात कुमार ने कहा कि पूरे अनुमंडल क्षेत्र में दुगार्पूजा के दौरान प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं । पूजा समितियों को सुरक्षा,स्वास्थ्य,साफ-सफाई,यातायात की व्यवस्था और बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की समस्या आने पर तुरंत अनुमंडल प्रशासन मुहैया कराएगी । साथ ही संवेदनशील इलाकों में विशेष टीम तैनात की जाएगी और अधिकारियों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी ।एएसपी सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार ने कहा कि

पूजा पंडालों,सार्वजनिक स्थलों और जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी । संवेदनशील एवं अति- संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी । सीसीटीवी के जरिए भी निगरानी रखी जाएगी । किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन हर स्तर पर सजग और तत्पर रहेगा । सभी पूजा समितियों से अपेक्षा है कि वे भीड़- नियंत्रण में पुलिस का सहयोग करें ।फायर ब्रिगेड के वरीय अधिकारी ने कहा कि पूरे अनुमंडल क्षेत्र में दुगार्पूजा के दौरान अग्निशमन की विशेष व्यवस्था की जाएगी । सभी पूजा पंडालों में आग से बचाव के साधन जैसे बाल्टी,रेत,अग्निशामक यंत्र आदि रखने की सलाह दी । प्रशासन की ओर से फायर ब्रिगेड की टीम लगातार गश्त कर रही है और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता देने के लिए तैयार है । साथ ही पंडालों में बिजली की वायरिंग सुरक्षित ढंग से करने का भी अनुरोध की । बैठक के अंत में एडीएम ने सभी अधिकारियों,समिति सदस्यों व जनप्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि वे मिलकर दुगार्पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सफल बनाने में प्रशासन को पूरा सहयोग करें ।

काराकाट में प्रखण्ड स्तरीय क्विज और विज्ञान प्रदर्शनी प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी की अध्यक्षता में हुआ आयोजन

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास जिले के काराकाट मुख्यालय स्थित प्रखण्ड संसाधन केंद्र में गुरुवार को प्रखण्ड स्तरीय क्विज प्रतियोगिता और विज्ञान प्रदर्शनी का सफल आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी मो. कलीम उद्दीन ने की। इस आयोजन में 21 सीआरसी (क्लस्टर रिसोर्स सेंटर) से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता में दो वर्गों में विजेताओं का चयन किया गया। वर्ग छह से आठ में उच्चतर मध्य विद्यालय गोडारी के शिक्षा कुमारी क्विज में प्रथम स्थान प्राप्त कर, जिला के लिए चयनित हुई ; जबकि वर्ग नौ से बारह में रामरूप प्लस टू उच्च विद्यालय गोडारी के अमृत कुमार दुबे विजेता रहे जिनको जिला के लिए चयनित किया गया।इसी प्रकार, विज्ञान प्रदर्शनी में भी दो वर्गों में परिणाम घोषित किए गए। वर्ग छह से आठ में उच्चतर मध्य विद्यालय मुंजी के खालिदा खानम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर

जिला के लिए चयनित हुई और वर्ग नौ से बारह में उच्च माध्यमिक विद्यालय जयश्री के रानी कुमारी, पिता विनोद साह ने पहला स्थान हासिल किया और जिनको जिला के लिए चयनित किया गया। सभी सफल छात्र-छात्राओं को प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी द्वारा पुरस्कृत किया गया और वही 6 से 8 मूल्यांकन हेतु प्रतिनियुक्त शिक्षक/शिक्षिका वाला पहले उमाशंकर सिंह, संजय कुमार, प्रेम प्रकाश, अभिषेक कुमार, सरिता कुमारी एवं 9 से बारह संतोष कुमार मिश्रा, प्रमोद पांडेय, शशि कुमार पासवान, अभय कुमार, कुमारी अर्चना थे। इस अवसर पर कार्यक्रम के संचालकर्ता और कार्य सहयोगी शिक्षक संजय कुमार, डाटा ऑपरेटर किसु कुमार, सहित कई अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

काराकाट प्रखंड मुख्यालय में एक दिन,एक घंटा एक साथ श्रमदान अभियान से चमका परिसर

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट प्रखंड मुख्यालय स्थित गोड़ारी कार्यालय परिसर एक अलग ही दृश्य का गवाह बना । ह्वएक दिन,एक घंटा,एकसाथ श्रमदानह्व कार्यक्रम तहत प्रखंड प्रशासन,पंचायत प्रतिनिधियों और अन्य लोगों ने मिलकर साफ-सफाई अभियान चलाया । इस दौरान पूरे परिसर को व्यवस्थित और स्वच्छ बनाने की दिशा में सामूहिक पहल की गई । कार्यक्रम में बीडीओ राहुल कुमार सिंह,प्रखंड समन्वयक स्वच्छता आलोक आनंद,प्रमुख प्रतिनिधि नारायण पासवान,स्वच्छता प ा र ा ं व े क ् ष ा क मिथलेश,हीरालाल,कुणाल,रूबी देवी, संजू देवी,वाशरूम कर्मी श्याम बिहारी सहित सभी पंचायतों के स्वच्छता पर्यवेक्षक,वाशरूम कर्मी और ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी की । बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने मौके पर कहा कि स्वच्छता ही स्वस्थ और समृद्ध समाज की नींव है । ह्वएक दिन,एक घंटा, एकसाथ

श्रमदानह्वअभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करना और सरकारी तंत्र व जनता के बीच सहभागिता बढ़ाना है । इस अभियान से हम न सिर्फ परिसर को स्वच्छ करेंगे बल्कि समाज में स्वच्छता की संस्कृति को भी मजबूत करेंगे । हम चाहते हैं कि हर पंचायत, हर मोहल्ला इस पहल को अपनाए और नियमित रूप से स्वच्छता को अपना संकल्प बनाए । उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे अभियान केवल सरकारी कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेंगे,बल्कि हर वर्ग के लोग जुड़कर इसे एक जन-आंदोलन का रूप देंगे । इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने परिसर की साफ-सफाई में हाथ बंटाने के साथ यह संकल्प लिया कि वे अपने-अपने पंचायत और मोहल्लों में भी स्वच्छता को बढ़ावा देंगे । पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों के संयुक्त प्रयास से परिसर में स्वच्छता और उत्साह का वातावरण देखने को मिला ।

एक नजर

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पूर्व मंत्री बिहार सुमित्रा देवी की 123 वीं जयंती सम्पन्न

सासाराम। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पूर्व मंत्री बिहार सुमित्रा देवी की 123 वीं जयंती कांग्रेस कार्यालय इंदिरा गांधी आश्रम सासाराम में मनाई गई । देवी जी 1952 में पहली बार जगदीशपुर एवं आरा,नोखा विधानसभा से चुनाव जीतकर सम्पूर्ण बिहार का एक पहली महिला कैबिनेट मंत्री बनी । अपने कार्यकाल में सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण पूरे बिहार में करवाने का कार्य किया एवं उच्च विद्यालयो,महाविद्यालयो का निर्माण करावाने का कार्य किया । उनके जयंती के पर नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई जिसमें कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार पांडेय, राजेश्वर कुशवाहा,सुमंत कुशवाहा, डॉ जावेद अख्तर,ज्ञानचंद ओझा, श्री भगवान सिंह,नवल किशोर,अरविंद यादव, रवि यादव, सौरभ कुशवाहा,मनोरंजन यादव, दीपक कुशवाहा सहीत कई लोग शामिल थे । रोहतास जिला कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर पांडेय ने सुचित्रा देवी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का आह्वान किया । श्री पांडेय ने कहा कि श्रीदेवी का चरित्र,चाल,व्यौहार सहनशीलता , अनुकरणीय है जिसे अमल करना हम लोगों का परम कर्तव्य है।

ट्रक से नटवार बिक्रमगंज पथ प्रतिदिन हो रहे जाम

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के नटवार बिक्रमगंज पथ पर,आए दिन जाम की समस्या से यात्री जूझ रहें है इस पथ से प्रतिदिन करीब पांच हजार वाहनों का आवागमन होता रहता हैं,प्रत्येक दिन करीब दो, तीन एंबुलेंस की गाड़िया भी मरीजों को ले कर इस महा जमा में करीब घंटों फसे रहते हैं प्रशासन भी कभी कभी रहती है, नहीं तो वह भी नदारत ही नजर आती हैं महा जाम में फंसे नटवार बाजार निवासी उमा शंकर सिंह ने ने बताया कि हम सप्ताह में चार से पांच दिन पिरो जाते हैं , हमें रोज जाम के कारण अपने काम पर लेट से पहुंचना पड़ता है, प्रशासन को चाहिए कि इस पथ पर से ट्रक का आवागमन पर रोक लगाए ।

भोजपुर में तीन करोड़ के हेरोइन के साथ चार तस्कर धराए, एक कार, तीन किलो स्मैक बरामद

आरा। भोजपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार हेरोइन तस्करों को तीन किलो हेरोइन समेत अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस द्वारा जब्त हेरोइन का सरकारी मूल्य लगभग तीन करोड़ रुपये है। सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि भोजपुर पुलिस कप्तान को जिले में भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के आने की गुप्त सूचना मिली थी। जिसके बाद कई थाना क्षेत्र में एसएच, एनएच एवं अन्य रास्तों पर निगरानी बढ़ा दी गई एवं वाहनों की जांच पड़ताल शुरू की गई। इसी क्रम में गुरुवार की सुबह सुबह गीधा थाना क्षेत्र के गीधा ओवरब्रिज के पास एक कार कायमनगर की ओर से आकर तेजी से अंडरपास की ओर बढ़ी ही थी कि गश्त और निगरानी कर रही गीधा पुलिस ने उस कार की संदिग्ध देख उसे रुकने का इशारा किया, तो वे भागने लगे। जिसे पुलिस ने चारो तरफ से घेर लिया। कार की तलाशी ली गयी तो उसमें चार युवक सवार मिले, जिन्होंने पुलिस के सवालों का उचित जवाब नहीं दिया। गीधा पुलिस ने जब थानाध्यक्ष टिंकू कुमार के नेतृत्व में कार की जांच पड़ताल में तीन किलोग्राम हेरोइन समेत अन्य कई चीजें पाई गई। कार में सवार चारों युवकों को धर दबोचा गया। पकड़े गए चारों युवक भोजपुर जिले के ही हैं। पकड़े गए चारों तस्कर में चालक कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के सरैया बलुआ निवासी लक्ष्मण लाल का पुत्र विशाल कुमार, उदवंतनगर के छोटकी सासाराम निवासी राजकुमार राम के पुत्र अरुण कुमार, शाहपुर थाना क्षेत्र के रानीसागर निवासी और वर्तमान में आरा के मौलाबाग में रह रहे अजय कुमार पंडित के पुत्र अभिषेक पंडित और बबुरा थाना क्षेत्र के देवरिया निवासी मिथिलेश्वर सिंह का पुत्र राहुल सिंह शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए चारों तस्करों से पूछताछ की गई है।

श्री श्री 1008 श्री दुर्गा पूजा समिति धर्मागत परासी एवं गोरख परासी (सातों परसिया) जलयात्रा संपन्न

काराकाट। प्रखंड काराकाट अंतर्गत पंचायत मानिक परासी में श्री श्री 1008 श्री दुर्गा पूजा समिति धर्मागत परासी एवं गोरख परासी (सातों परसिया) जलयात्रा का शुभ आरम्भ दोपहर 2 बजे से दुर्गा पंडाल से आरम्भ हुआ जो सातो परसिया से होते करूप , इटावा ,जमुआ से मां की जयकारा लगाते हुए भक्त सखावा नाहर पुल पर आचार्यों ,पंडित के वैदिक मंत्रो चारण के साथ संपन्न हुआ जिसमें हाथी, घोड़े ऊंट, हजारों श्रदालुओं ने भाग लिया बैंड बाजा इत्यादि मौके पर मानिक परासी, गोरख पारसी, धर्मागत पारसी,नोक परासी सहित सातों परसिया के सभी धर्म प्रिय सनातनी बन्धु भाग लिया और छोटे बच्चों नर नारी ने बढ़ चढ़ कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई इसी के साथ आज के जल भारी बड़ी ही उत्सव और हरसोला से समाप्त हुई।

मारपीट मामले में दो गिरफ्तार,गए जेल

बिक्रमगंज । पुलिस ने मारपीट मामले में दो भाई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के मोहनी निवासी स्वर्गीय सुकन सिंह के पुत्र विनोद सिंह एवं प्रमोद सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्त सगे भाई हैं । इनके विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 664/25 के आलोक में मारपीट करने का मामला दर्ज था । बताया कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों को जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया ।

शराबी गया जेल

बिक्रमगंज । स्थानीय पुलिस ने मिली सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के जरलाही मठिया निवासी शिव शंकर गिरी को नशे की हालत में गिरफ्तार कर लिया । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार शराबी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

125 यूनिट नि:शुल्क बिजली योजना, स्मार्ट प्रीपेड मीटर व विद्युत सुरक्षा से जुड़ी जानकारी हेतु शिविर आयोजित

केटी न्यूज/रोहतास

मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सभी प्रशाखा मे उपभोक्ताओं को 125 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना, स्मार्ट मीटर, बिल सुधार, नए कनेक्शन, शिकायत निवारण एवं विद्युत सुरक्षा से जुड़ी जानकारी के लिए गुरुवार को शिविर का आयोजन किया गया। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ब्रवीम ने बताया की आयोजित शिविर मे मुख्यतः गलत रीडिंग, एकमुश्त रीडिंग, गलत औसत, खराब मीटर एवं अन्य

कारणों से संबंधित विद्युत विपत्र सुधार कराने हेतु उपभोक्ता पहुंचे। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिले और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो, यह सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है। इसके अलावा उन्होंने पीएम सूर्यघर मुफ़्त बिजली योजना के विषय में भी लोगों को जागरूक करने को कहा। राज्य सरकार की ओर से सभी कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं के छतों पर निःशुल्क सौर संयंत्र लगाए जाएंगे। शिविर मे इसके लिए भी उपभोक्ता आवेदन कर सकते हैं। सहायक विद्युत अभियंता, बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया कि कुछ उपभोक्ताओं का बिजली बिल ऑनस्पॉट सुधार कर दिया गया है। जिनके विपत्र में ऑनस्पॉट सुधार संभव नहीं थे उनका आवेदन पत्र ले लिया गया है तथा सात कार्यदिवस में सुधार कर दिया जाएगा। उक्त शिविर मे उपभोक्ताओं को स्मार्ट प्रीपेड मीटर क सन्दर्भ मे प्रकाश डालते हुए बताया गया की स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर किसी भी भ्रान्ति का शिकार न हो। स्मार्ट मीटर एवं नॉर्मल मीटर दोनों एक जैसा है। विद्युत विपत्र सुधार कैंप मे खराब मीटर वाले उपभोक्ता के परिसर का मीटर भी बदला जा रहा है एवं इच्छुक उपभोक्ताओं द्वारा अपना बकाया राशि भी जमा किया गया।

दुगार्पूजा को लेकर काराकाट बीडीओ ने किया कई गांवों के पंडालों का निरीक्षण

केटी न्यूज/रोहतास

बुधवार की देर संध्या काराकाट प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह ने दुगार्पूजा की तैयारियों को लेकर प्रखंड क्षेत्र के कई गांवों के पंडालों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पूजा समितियों से तैयारियों की जानकारी ली और सुरक्षा एवं स्वच्छता को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बीडीओ ने बेलवाई, करूप, जयश्री, काराकाट बाजार, चिकसील, दुआरी, सकला, पड़सर, देव,गोड़ारी सहित अन्य गांवों के पंडालों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सभी पूजा समितियां सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित करें,ताकि श्रद्धालु बिना किसी

परेशानी के भक्ति भाव से मां दुर्गा की आराधना कर सकें । निरीक्षण के दौरान उनके साथ शिक्षक अनिल कुमार पासवान,श्याम बिहारी, अकबर हुसैन, विशाल भारती,प्रशांत सहित कई लोग मौजूद रहे । बीडीओ ने साफ-सफाई,विद्युत सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण को लेकर भी संबंधित अधिकारियों व पूजा समितियों को भी आवश्यक निर्देश दिए ।

अब पूरी तरह ऑनलाइन तरीके से होगा बिहार में अनुकंपा नियुक्ति, नीतीश सरकार ने लॉन्च किया नया पोर्टल

एजेंसी। पटना

नीतीश सरकार ने राज्य में प्रशासनिक कार्यों को और अधिक पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। अब सरकारी सेवक की सेवा अवधि के दौरान असामयिक मृत्यु होने की स्थिति में उनके योग्य आश्रितों को दी जाने वाली अनुकंपा नियुक्ति की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है। इसके लिए ह्लअनुकंपा नियुक्ति और निगरानी प्रणालीह्व नाम से एक नया पोर्टल विकसित किया गया है, जिसे शुक्रवार 26 सितंबर 2025 को सुबह 10 बजे लॉन्च किया जाएगा। इस पोर्टल की शुरूआत से अब पूरे राज्य में अनुकंपा नियुक्ति से जुड़ी प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी हो जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से गुरुवार 25 सितंबर 2025 को जारी आधिकारिक बयान में बताया गया कि इस पोर्टल के माध्यम से मृतक सरकारी सेवक के योग्य आश्रित सीधे ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन की हर स्थिति जैसे आवेदन प्राप्त होना, उसकी जांच, स्वीकृति या अस्वीकृति की जानकारी पोर्टल पर ही उपलब्ध होगी। इससे आवेदकों को बार-बार कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा और वे घर बैठे ही पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर पाएंगे। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि अब तक प्रत्यक्ष रूप से दिए गए आवेदन पर कार्रवाई जारी रहेगी, लेकिन 26 सितंबर 2025 से केवल ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदन ही मान्य होंगे। विभाग के अनुसार, अब तक की प्रक्रिया में अक्सर देरी और अस्पष्टता देखने को मिलती थी, जिससे मृतक कर्मियों के आश्रित परिवार को समय पर राहत नहीं मिल पाती थी। नई प्रणाली को लागू करने का उद्देश्य इसी समस्या का समाधान करना है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह पोर्टल न केवल पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करेगा बल्कि तय समय सीमा के भीतर मामलों का निष्पादन भी संभव होगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने बताया कि पोर्टल के संचालन और कार्यान्वयन को सहज बनाने के लिए सभी विभागों एवं जिलों में नोडल पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश, ह्यूजर मैनुअलह्व और प्रक्रिया प्रवाह चार्ट उपलब्ध कराए गए हैं ताकि वे प्रणाली को सही ढंग से संचालित कर सकें। इसके अलावा, सात अक्टूबर 2025 को पूर्वाह्न 10 बजे से नोडल पदाधिकारियों के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य उन्हें पोर्टल के विभिन्न फीचर्स और प्रक्रियाओं से पूरी तरह अवगत कराना है। सरकार का मानना है कि डिजिटल तकनीक का उपयोग कर प्रशासनिक सेवाओं को त्वरित और सरल बनाया जा सकता है।

पोर्टल पर ही की जाएगी स्थिति की निगरानी

सामान्य प्रशासन विभाग ने गुरुवार (25 सितंबर, 2025) को जारी बयान में कहा है कि इस पोर्टल के माध्यम से सरकारी सेवक के योग्य आश्रित (मृतक के) सीधे ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे. आवेदन की प्रत्येक स्थिति की निगरानी पोर्टल पर ही की जाएगी. विभाग ने कहा कि इससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध होगी. अब तक प्रत्यक्ष रूप से मिले आवेदनों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

समय-सीमा के भीतर किया जा सकेगा निष्पादन

विभाग के अनुसार, मृतक सेवक के आश्रित परिवार को समय पर राहत पहुंचाने के लिए और पूर्व की प्रक्रिया में होने वाली देरी एवं अस्पष्टता को देखते हुए यह प्रणाली विकसित की गई है. एक अधिकारी ने बताया कि इससे न केवल पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी बल्कि आवेदनों का निष्पादन भी समय-सीमा के भीतर किया जा सकेगा।

बिहार विधानसभा चुनाव से नजदीक आने से राजनीतिक सरगर्मियां तेज

आज बिहार आ रहे अमित शाह, 10 राज्यों के भाजपा कार्यकर्ताओं को देंगे जीत का मंत्र

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मियां भी तेज होती जा रही हैं। इस बार एनडीए ने चंपारण की राजनीतिक जमीन पर अपनी पकड़ मजबूत करने की ठानी है। पश्चिम चंपारण इन दिनों बड़े नेताओं की सक्रियता का केंद्र बन गया है। 23 सितंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिले में कई विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया था, जिसे जनता को साधने की कोशिश के तौर पर देखा गया। अब 26 सितंबर को केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह बेतिया पहुंचने वाले हैं। अमित शाह का कार्यक्रम राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। वे बेतिया के कुमारबाग स्थित गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज के ऑडिटोरियम में सारण-चंपारण प्रमंडल के 10 जिलों के भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि वे बूथ स्तर तक की चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे और कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देंगे। इस कार्यक्रम

के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। खुद बेतिया एसपी ने स्थल का निरीक्षण किया और सभी आवश्यक निर्देश दिए। नीतीश कुमार और अमित शाह का कुछ ही दिनों के अंतराल पर चंपारण दौरा एनडीए की चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। नीतीश कुमार जहां विकास कार्यों के जरिए जनता का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं भाजपा बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर फोकस कर रही है। दोनों दलों के बीच इस तालमेल को कार्यकर्ताओं में जोश भरने और गठबंधन की मजबूती का संदेश देने के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो चंपारण की राजनीतिक अहमियत ऐतिहासिक रही है। यहां की सीटें अक्सर सत्ता के समीकरण तय करने में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। यही वजह है कि एनडीए अपने बड़े चेहरों को यहां उतार रहा है। भाजपा और जदयू मिलकर यह संदेश देना चाहते हैं कि वे पूरी एकजुटता के साथ चुनाव मैदान में उतरेंगे और हर स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाएंगे। दूसरी ओर, महागठबंधन भी चंपारण की अहमियत को समझता है। इसी रणनीति के तहत कांग्रेस ने 26 सितंबर को पूर्वी चंपारण में प्रियंका गांधी की रैली आयोजित की है। प्रियंका गांधी का यहां आना महागठबंधन की ओर से बड़ा दांव माना जा रहा है। इससे यह साफ है कि महागठबंधन भी एनडीए की तरह चंपारण में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है। दोनों गठबंधनों की सक्रियता यह दिखाती है कि चंपारण इस बार भी बिहार की राजनीति में निर्णायक साबित हो सकता है। एक ओर अमित शाह कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक मजबूती का संदेश देंगे, तो दूसरी ओर प्रियंका गांधी जनसभा के जरिए माहौल बनाने की कोशिश करेंगी। ऐसे में चंपारण का मैदान दोनों खेमों के लिए सियासी रणभूमि बन चुका है। कुल मिलाकर, नीतीश कुमार और अमित शाह के प्रयास एनडीए की मजबूत चुनावी शुरूआत के संकेत हैं, वहीं महागठबंधन प्रियंका गांधी जैसे बड़े चेहरे को उतारकर सीधी चुनौती देने की रणनीति अपना रहा है। चंपारण की यह सियासी जंग आने वाले चुनाव परिणामों में अहम भूमिका निभा सकती है।

10 जिलों के बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

अमित शाह जिले में कुमारबाग स्थित गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज के ऑडिटोरियम में सारण-चंपारण प्रमंडल के 10 जिलों के भाजपा कार्यकर्ताओं संग बैठक करने आ रहे हैं. दोनों बड़े नेताओं का कुछ ही दिनों के अंतराल में चंपारण दौरा राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है. अमित शाह संगठनात्मक स्तर पर कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देने और चुनावी रणनीति को धार देने की कोशिश कर सकते हैं।

जिला प्रशासन कर रहा तैयारी

अमित शाह के कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से पूरी कर ली गई हैं. जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए हैं. बेतिया एसपी डॉ. शौर्य सुमन ने खुद स्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए. चर्चा है कि अमित शाह की इस बैठक में बूथ स्तर तक की चुनावी तैयारियों पर बातचीत की जायेगी और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने का प्रयास किया जाएगा।

इंतजार खत्म! आज बिहार की 75 लाख महिलाओं के खाते में आएंगे 10-10 हजार रुपये

एजेंसी। पटना

नीतीश सरकार ने बिहार की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और स्वावलंबी बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत प्रत्येक परिवार की एक पात्र महिला को स्वरोजगार मुहैया कराने के लिए 10 हजार रुपये की सहायता राशि मुहैया कराई जाएगी। योजना की शुरूआत 26 सितंबर को होने जा रही है। तो इंतजार की घड़ी खत्म हुई। अब बिहार की महिलाएं जिन्होंने इसके लिए फॉर्म भरा है, वो खाते में 10 हजार आने का इंतजार कर रही है। 26 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑनलाइन जुड़ेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। इसमें सूबे की 75 लाख महिलाओं के बैंक खाते में 10-10 हजार रुपये की राशि डीबीटी सीधे स्थानांतरण किए जाएंगे। इन महिलाओं के बीच साढ़े सात हजार करोड़ रुपये का वितरण किया जाएगा। इस कार्यक्रम को आयोजित करने को लेकर ग्रामीण विकास विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने इसे लेकर सभी जिलों के डीएम को पत्र जारी किया है। इसमें खासतौर से यह निर्देश दिया गया है कि इस मौके पर संकुल स्तरीय संघ ग्राम संगठन स्तर पर इसे उत्सव के तौर पर मनाया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर को उत्सव के तौर पर मनाने एवं जन-जन तक इसकी जानकारी पहुंचाने के साथ ही महिला समूहों एवं सामुदायिक संगठनों को जागरूक करने के उदेश्य से राज्य मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया जाएगा। ग्राम पंचायत स्तर पर भी इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जीविका स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्यों की सहभागिता होगी। योजना का लाभ लेने के लिए अब तक शहरी और ग्रामीण इलाकों की 1 करोड़ 11 लाख 66 हजार महिलाओं ने आवेदन किया है।

भोजपुरिया संस्कृति की वैश्विक ध्वजवाहक कल्पना पटवारी ने बिहार कला सम्मान 2023-24 के दौरान जताया आभार

एजेंसी। पटना

बिहार की समृद्ध लोकसंस्कृति और भोजपुरिया अस्मिता को वैश्विक मंच तक पहुँचाने वाली प्रख्यात लोकगायिका कल्पना पटवारी को बिहार सरकार द्वारा राज्य का सर्वोच्च सम्मान ह्यबिहार कला सम्मान 2023-24ह्व प्रदान किया गया। यह सम्मान कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार की ओर से दिया गया, जो उनकी जीवनभर की साधना और भोजपुरी संगीत के प्रति समर्पण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। पटना में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में बिहार संग्रहालय के वरिष्ठ पदाधिकारी और कला जगत से जुड़े लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर भावुक होकर कल्पना पटवारी ने कहा कि ह्लमैं बिहार और पूर्वांचल की जनता को प्रणाम करती हूँ। यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि

हर उस किसान और आमजन का है जो लोककला को अपने जीवन में जीते और बचाए रखते हैं। यह पुरस्कार मेरे लिए दायित्व है और मैं वचन देती हूँ कि जीवनपर्यंत बिहार की कला-संस्कृति को वैश्विक मंच तक पहुँचाने का प्रयास करती रहूँगी।ह्व कल्पना पटवारी ने बताया कि वे असम की धरती पर भूपेन हजारिका के गीत सुनते हुए बड़ी हुईं, लेकिन अपनी आत्मा को उन्होंने बिहार आकर भिखारी ठाकुर की परंपरा में खोजा। 2006-07 से भिखारी ठाकुर के लोकसंगीत को नई पीढ़ी तक पहुँचाना उनका जुनून बन गया। सम्मान ग्रहण करते हुए उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार उन्हें और बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है। भोजपुरी और बिहार की सांस्कृतिक धारा को आगे ले जाना अब केवल उनका सपना नहीं बल्कि जीवन का मिशन है।

चंडी इंजीनियरिंग कॉलेज की छात्रा की मौत, छात्र-छात्राओं का हंगामा

नालंदा। चंडी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रावास के तीन मंजिला भवन की छत से एक छात्रा ने बुधवार की रात आत्महत्या कर ली। मृतका मुंगेर जिले की रहने वाली थी। घटना के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना के बाद छात्र-छात्राओं में आक्रोश भड़क गया। आरोप है कि प्रिंसिपल द्वारा समय पर गाड़ी उपलब्ध नहीं कराने के कारण एंबुलेंस को देर से पहुंचना पड़ा, जिससे छात्रा की जान बचाई नहीं जा सकी। गुस्साए छात्रों ने कॉलेज परिसर में जमकर हंगामा किया और 4 कार और स्कूटी में आग लगा दी। कॉलेज से लेकर चंडी रेफरल अस्पताल तक हंगामा चलता रहा। हंगामा की सूचना पर चंडी थाना की पुलिस और आसपास के थानों की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित छात्रों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया।

पटना के सरकारी स्कूलों की आईआईटी कानपुर से साझेदारी, 3 लाख छात्रों को मिलेगा मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग

एजेंसी। पटना

ज़िले के सरकारी स्कूलों के कक्षा 10, 11 और 12 के तीन लाख छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की ऑनलाइन तैयारी कराई जाएगी। इस पहल का उद्देश्य वंचित पृष्ठभूमि के प्रतिभाशाली छात्रों को डॉक्टर और इंजीनियर बनने का अवसर प्रदान करना है। इसके लिए, ज़िले भर की 75 आईसीटी लैब में विशेष कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने के लिए कंप्यूटर और बड़े स्क्रीन वाले टेलीविजन लगाए जाएंगे, और बिजली कटौती के दौरान कक्षाएं बैटरी और इन्वर्टर पर चलेंगी। शिक्षा विभाग के निर्देश

के बाद, ज़िला शिक्षा कार्यालय स्तर पर कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो गई हैं। विज्ञान और चिकित्सा की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए, स्कूलों में दैनिक कक्षाओं के बाद ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध होगी। शिक्षा विभाग जल्द ही आईआईटी कानपुर के साथ एक शैक्षणिक समझौते पर हस्ताक्षर करेगा, और उनके शिक्षक इसमें सहयोग प्रदान करेंगे। इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहे छात्रों को गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान और अंग्रेजी की ऑनलाइन कोचिंग मिलेगी। इसी प्रकार, चिकित्सा में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों को जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और अंग्रेजी पढ़ाई जाएगी। इसके लिए जिले की सभी आईसीटी प्रयोगशालाओं का भी उन्नयन किया जा रहा है। कक्षा 11 और 12 के जिन छात्रों की विज्ञान विषयों में रुचि नहीं है, उन्हें एसएससी (कर्मचारी चयन आयोग), रेलवे आदि परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। इन छात्रों के लिए एक अलग समूह बनाया जाएगा और नियमित स्कूल समय के अलावा अतिरिक्त कक्षाएं भी संचालित की जाएंगी।

सुभाषितम्

ईश्वरीय शक्ति के सम्मुख मानवीय शक्ति बली नहीं है।

- दंडी

पूंजीवाद बनाम साम्यवाद नहीं, अब खतरा है बाजारवाद के एकाधिकार का

हुआवेई का नाम आज दुनिया की सबसे बड़ी टेक्नॉलजी और संचार कंपनियों में शुमार होता है। करीब 177 बिलियन डॉलर की इस कंपनी के संस्थापक और सीईओ रेंगफी चेन हैं। कंपनी की साख या उसकी लोकप्रियता की बात यहां हम नहीं कर रहे बल्कि कंपनी की उस असल कहानी को यहां बताने की कोशिश कर रहे जो ज्यादा दिलचस्प और दुनिया के लिए प्रभावी है। दरअसल हुआवेई कंपनी के महज 1.5प्रतिशत शेयर ही उनके पास हैं, जबकि 92 फीसदी हिस्सेदारी हुआवेई इन्वेस्टमेंट एंड होल्डिंग कंपनी ट्रेड यूनियन लिमिटेड के पास है। यह यूनियन चीन के सरकारी ढांचे के अंतर्गत रजिस्टर्ड है। वहां की कम्युनिस्ट पार्टी के नियंत्रण में आती है। इस तरह दिलचस्प बात यह है कि कंपनी के मुनाफे का बड़ा हिस्सा इन कर्मचारियों में ही बंटता है, कंपनी पर असली नियंत्रण सरकार के हाथ में रहता है। इसे स्टेट-कंट्रोल्ड कॉरपोरेट स्ट्रक्चर कह सकते हैं, जो पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों का अनोखा मिश्रण है। विषय विशेषज्ञों की मानें तो आधुनिक दौर में वामपंथ या पूंजीवाद जैसी कोई चीज बची ही नहीं है। दुनिया की हर बड़ी ताकत ने इन दोनों विचारधाराओं के स्थान पर मिश्रित तरीके से मिलाकर नए मॉडल तैयार कर रखे हैं। चीन का मॉडल इसका बड़ा उदाहरण है। वहीं भारत के संदर्भ में बात करें तो समय-समय पर इस तरह के प्रयोग ज्ञपतंत्रतर के बाद भी किए गए हैं। एयर इंडिया इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। दरअसल बात उन दिनों की है जबकि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने नौ प्राइवेट एयरलाइंस को मिलाकर एक सरकारी कंपनी बनाई, लेकिन संचालन जे.आर.डी. टाटा जैसे पूंजीवादी दिमाग रखने वाले को सौंप दी। नतीजा यह रहा कि एयर इंडिया दस साल में ही दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित एयरलाइंस बन गई। सरकार को बिना हस्तक्षेप के अच्छा-खासा डिविडेंड मिलता रहा। इसके बाद जैसे ही पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी का राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ा और एयरलाइंस में शराब परोसने पर रोक लगी, प्रबंधन में बदलाव के साथ ही बाद में बढ़ती नौकरशाही ने कंपनी को गिरावट की ओर ले गई। अंततः कभी गर्व की वजह रही एयर इंडिया भंगार के भाव निजी हाथों में चली गई। नेहरु ने भारत को समाजवाद के रास्ते आगे बढ़ाया जिसमें पूंजीवाद भी था। आम नागरिकों को समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया। यहां बात दुनियां के चौधरी बने अमेरिका की भी कर लेते हैं। अमेरिका जैसे पूंजीवादी देश में भी आप देखेंगे कि सरकार अपने बजट का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा सोशल सिक्योरिटी और मेडिकेयर पर खर्च करती है। अगर इसमें प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों के सामाजिक खर्च को जोड़ दें, तो यह आंकड़ा 30 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। इसे क्या कहेंगे? वामपंथ या पूंजीवाद? वहीं भारत का सामाजिक खर्च आज भी कुल बजट का 6-7 प्रतिशत ही है। यानी साफ है कि चाहे पूंजीवादी अमेरिका हो या साम्यवादी चीन, दोनों ही अपने नागरिकों के हितों को देखते हुए विचारधाराओं के मिश्रण का इस्तेमाल करते हैं। न एडम स्मिथ का लेसे-फेयर कैपिटलिज्म शुद्ध रूप में बचा है, न कार्ल मार्क्स का वर्ग-संघर्ष वाला साम्यवाद। भारत जिस रास्ते पर चला था वर्तमान में वह रास्ता भूलकर पूंजीवाद के रास्ते पर चल पड़ा है। चीन की तरक्की भारत के रास्ते पर चलकर हुई, भारत उसी रास्ते से भटक गया। पिछले पचास सालों में इस मिश्रण ने दुनिया को समृद्धि और स्थिरता दी है। लेकिन इसके साथ एक नया खतरा भी पैदा हुआ है, मोनोपोलिज्म अर्थात एकाधिकार और बाजारवाद का। अब असली मुद्दा यह नहीं है कि कोई देश साम्यवादी है या पूंजीवादी। असली खतरा यह है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने-अपने क्षेत्रों में एकाधिकार स्थापित कर रही हैं। आज आपके भोजन, दवा, वित्त, आवागमन, मीडिया और संचार–हर क्षेत्र में कुछ गिनी-चुनी कंपनियां हावी हो चुकी हैं।

चिंतन-मनन

ध्वनि तरंगों से रोगों का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तरंगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है। पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

जातिवाद पर प्रतिबंध योगी सरकार का ऐतिहासिक कदम

- ललित गर्ग

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक ऐतिहासिक और साहसिक कदम उठाया है। उन्होंने समाज में जाति आधारित विद्वेष को ही नहीं बल्कि विभेद को भी समाप्त करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए सद्भाव के साथ सबके विकास को बल देने का सूझबूझ भरा फैसला लिया है। इस फैसले के अन्तर्गत उन्होंने जाति-आधारित रैलियों, सार्वजनिक प्रदर्शनों और पुलिस रिकॉर्ड में जाति संबंधी उल्लेखों पर रोक लगा दी है। यह निर्णय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के बाद लिया गया, लेकिन इसका वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक है। यह केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं बल्कि समाज को जातिगत बंधनों से मुक्त करने की दिशा में क्रांतिकारी प्रयास है। राजनीतिक दलों ने जाति आधारित वोटों को लुभाने एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने के लिये समाज को बांटा है। यह गौर करने की बात है कि जाति आधारित संगठनों और रैलियों की बाढ़ आ गई है, जिससे एक-एक जाति के अनेक संगठन बने और इन जातिगत संगठनों ने सड़कों पर उतर कर न केवल सार्वजनिक व्यवस्था, इंसान-इंसान के बीच दूरियां-विद्वेष बढ़ा दिया बल्कि राष्ट्रीय एकता को भी क्षत-विक्षत कर दिया। भारतीय समाज में जातिवाद की जड़ें गहरी हैं। जाति व्यवस्था ने कभी सामाजिक पहचान और श्रम विभाजन का आधार बनकर काम किया, लेकिन समय के साथ यह भेदभाव, असमानता और सामाजिक विद्वेष का कारण बन गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था- ‍ह्लजातिवाद समाज की आत्मा को खोखला करता है।ह्व डॉ. भीमराव आंबेडकर ने तो इसे भारतीय प्रगति की सबसे बड़ी बाधा बताया था। दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी जातिवाद ने राजनीति और समाज दोनों में गहरी पैठ बनाई और देश की एकता को कमजोर करने का काम किया। जाति-आधारित राजनीति ने सत्ता के समीकरण तो बदले लेकिन समाज को बांटने का काम किया। चुनाव के समय उम्मीदवारों का चयन जातिगत समीकरणों के आधार पर होता रहा। समाज के बंटवारे का यह खेल लोकतंत्र के स्वस्थ आदर्शों के लिए चुनौती बना। जातिगत रैलियां और प्रदर्शन सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करते रहे। पुलिस रिकॉर्ड में जाति का उल्लेख अपराधी को अपराधी नहीं बल्कि किसी जाति का प्रतिनिधि बना देता था, जिससे कानून-व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ता था। इन जटिल स्थितियों में योगी सरकार का यह निर्णय विषमताओं एवं विसंगतियों को समाप्त करने की दिशा में एक नया अध्याय है। यदि इसे सख्ती और ईमानदारी से लागू किया गया तो निश्चित ही समाज में सौहार्द, भाईचारा और समानता का वातावरण बनेगा। जाति-आधारित पहचान की जगह व्यक्ति की योग्यता, आचरण और योगदान को महत्व मिलेगा। किसी जाति के प्रति लगाव दशार्ने के लिए किसी अन्य जाति को नीचा दिखाने की भी गलत परंपरा पड़ती दिख रही है। जाति आधारित पोस्टर या प्रतीक न केवल गलियों में, मकानों पर बल्कि अपने वाहनों पर भी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में, परस्पर भेद, ऊंच-नीच की भावना बढ़ती जा रही है। ऐसे भेद को मिटाने की मांग उठती रही है। समाज के लिए चिंतित रहने वाले लोग यही चाहते हैं कि जातिगत झंडों और पोस्टरों पर एक हद तक लगाम लगनी चाहिए, लेकिन ऐसा साहस राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब तक किसी भी राजनेता ने नहीं दिखाया, लेकिन योगी सरकार ने यह साहस दिखाया है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। योगी सरकार द्वारा जारी 10 सूत्रीय दिशा-निर्देश में यह बात विशेष रूप से गौर करने लायक है कि अब जाति के नाम, नारे या स्टिकर वाले वाहनों का केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत चालान किया जाएगा। यहां तक कि प्रथम सूचना रिपोर्ट में भी जाति को दशार्ने से बचा जाएगा। अभी तक होता यह है कि अपराधी जाति के आधार पर अपनी पहचान बना लेते हैं और मजबूत हो जाते हैं। यह बहुत अफसोस की बात है कि विशेष रूप से चुनाव के समय जाति आधारित बैनरों की बाढ़ आ जाती है। राजनीतिक दल एवं नेता जातिगत समीकरणों से समाज को बांटने में जुट जाते हैं। लेकिन अब यूपी सरकार की मंशा सराहनीय है और इन दिशा-निदेर्शों को पूरी तरह से लागू करने की जरूरत है। वाकई समाज से अपराध को मिटाने के लिए अपराधी की जाति देखना गैर-वाजिब है। हां, यह सावधानीपूर्वक कुछ मामलों में जाति का उल्लेख करने की छूट दी गई है। जैसे, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामलों में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल होता रहेगा। वाकई, कुछ मामले ऐसे होते हैं, जहां जाति की चिंता या उल्लेख जरूरी हो जाता है। यह भूलना नहीं चाहिए कि जाति आधारित भेदभाव अभी भी कई जगहों पर देखने को मिल जाता है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर भेदभाव की शिकायतें अक्सर आती हैं, ऐसे में, प्रशासन को ज्यादा सजग रहना पड़ेगा। निर्देश जारी हो जाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि जातिगत भेदभाव के बिंदुओं को खोज-खोजकर मिटाने की ईमानदार पहल भी जरूरी है। सामाजिक चिंतक विनोबा भावे कहा करते थे ह्लजाति का भेद मिटेगा तो समाज में भाईचारा और सहयोग की भावना पनपेगी।ह्व वास्तव में जातिवाद केवल सामाजिक समस्या नहीं बल्कि मानसिकता का रोग है। जब तक समाज इसे स्वीकार करता रहेगा, तब तक सच्चा विकास संभव नहीं। योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में एक आदर्श समाज व्यवस्था निर्मित करने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देते हैं। उन्होंने जातिवाद के विरुद्ध आवाज ही नहीं उठाई, अपने राजनीतिक जीवन के अनेक उदाहरणों से समाज को सक्रिय प्रशिक्षण भी दिया। वे समता के पोषक हैं, इसलिये उन्होंने पूरी शक्ति के साथ जाति के दंश, प्रथा एवं विसंगति पर प्रहार कर मानवीय एकता का स्वर प्रखर किया। उनके शासन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दी, जिससे राज्य में अपराध और अराजकता पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया। सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास की नीति पर चलते हुए उन्होंने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं लागू कीं। बुनियादी ढांचे के विकास, धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार, निवेश को आकर्षित करने और रोजगार सृजन में भी उनके प्रयास उल्लेखनीय हैं। उनकी सकारात्मक सोच का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश आज तेजी से विकासशील राज्यों में गिना जाने लगा है और जातिवाद, भ्रष्टाचार और असुरक्षा की छवि से बाहर निकलकर एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उनकी ताजा पहल समाज को बताती है कि नई पीढ़ी को जाति नहीं, योग्यता और नैतिकता के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए। यह निर्णय राजनीतिक दलों के लिए भी चेतावनी है कि उन्हें जातिगत समीकरणों की राजनीति छोड़कर राष्ट्रहित और जनहित की राजनीति करनी होगी। जाति, रंग, भाषा आदि के मद से सामाजिक एवं राजनीतिक विक्षोभ पैदा होता है, इसीलिये यह पाप की परम्परा को बढ़ाने वाला पाप है। इसके कारण राष्ट्रीयता को भूल कर जातिगत संकीर्णताओं को लोग आगे बढाते रहे हैं, एक जाति के लोग मजबूत होने के बाद वे अपनी जाति को लाभ पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं। यह धारणा भी बढती.रही है कि सबको अपनी जाति की चिंता करनी चाहिए।

जितना स्वस्थ होगा पर्यावरण, उतना बेहतर होगा स्वास्थ्य

- योगेश कुमार गोयल

हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। दरअसल पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से बहुत गहरा संबंध है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल, उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है। पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को एक विशेष थीम के साथ ह्वविश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवसह्ल मनाया जाता है। 2025 के विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस का विषय है ह्यस्वच्छ वायु, स्वस्थ लोगह्ल, जो स्वच्छ वायु और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधे संबंध पर जोर देता है। प्रदूषकों से मुक्त वायु श्वसन संबंधी बीमारियों को सीमित करने और लोगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2024 में यह दिवस ह्यपर्यावरणीय स्वास्थ्यः आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन तथा अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माणह्ल थीम के साथ मनाया गया था जबकि 2023 की थीम थी ह्यवैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्यः हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होनाह्ल थीम के साथ मनाया गया था और 2022 की थीम थी ह्यसतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करनाह्ल, जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इस दिन पर्यावरण के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अब पहले के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल पर्यावरणीय परिस्थितियों को बिगड़ने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं करके हम न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी खतरे में डाल रहे हैं क्योंकि हमारा स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण से जुड़ा है और पर्यावरण को हो रहे निरंतर नुकसान से मानव जीवन को भी नुकसान झेलना पड़ता है। बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं। पर्यावरण का स्वास्थ्य खराब होने से हमारा स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है, जिसका सीधा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। ऐसी ही समस्याओं के मद्देनजर लोगों में पर्यावरणीय स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए ह्यइंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हैल्थह्ल (आईएफईएच) द्वारा 26 सितम्बर 2011 को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की शुरूआत की गई थी। इसकी शुरूआत 2011 में डेनपास, बाली (इंडोनेशिया) में हुए पर्यावरण स्वास्थ्य शिखर सम्मलेन और आईएफईएच की बैठक के दौरान हुई थी और इस दिन को दुनियाभर में चिन्हित करने का मुख्य उद्देश्य लोगों की भलाई और स्वास्थ्य की तरफ उनका ध्यान आकर्षित करना था। आईएफईएच वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के आदान-प्रदान पर केन्द्रित है और इसका बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक एवं तकनीकी के लिए कार्य करता है। पूर्ण रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य कार्यों को लेकर समर्पित आईएफईएच पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और प्रशासन से संबंधित विषयों पर चर्चा करता है और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर सूचना का आदान-प्रदान करता है। पर्यावरण सुरक्षा कार्यबल के समर्थन के साथ आईएफईएच स्वास्थ्य और हरित पुनर्प्राप्ति में सहयोग करता है। यह उन राष्ट्रीय संस्थानों के लिए एक महासंघ है, जो पर्यावरण स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर कार्य करते हैं। 2018 में इस फेडरेशन ने 40 देशों को पूर्ण सदस्यों के तौर पर जगह दी थी। आईएफईएच के अध्यक्ष सुजान पैक्सो के अनुसार दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच एक गहन संबंध है।

लापरवाहियों से नदियों में डूबते लोग जिम्मेवार कौन?

- नरेन्द्र भारती

आखिर लोग जान जोखिम में डालने से क्यों नहीं मान रहे है। देश की नदियों में नौनिहालों के डूबने के मामले बढ़ते ही जा रहे है।प्रशासन को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए।अगर प्रशासन सक्रिय हो जाए तो इन हादसों को रोका जा सकता है।देश में नदियों में डूबने के हादसे निरंतर हो रहे हैं।प्रतिदिन ऐसे हादसे हो रहे है। यह हादसे कब रुकेंगें यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है। ताजा हादसा गुरु की नगरी पांवटा साहिब में एक बार फिर बड़ा हादसा हुआ यमुना नदी में नहाने तीन युवकों की मौत की मौत हो गई। पांवटा साहिब के यमुनाघाट पर एक युवक डूबने लगा तो दो उसे बचाने में लग गए लेकिन दोनो युवक भी डूब गए। अभी तक युवकों के शव नहीं मिल पाये हैं।शिलाई के गांव गवाली से ग्राम देवता की पालकी लेकर ग्रमिणों के साथ गंगा स्नान करवाने हरिद्वार गए थे लौटते समय यमुना में नहाने चले गए और यह दुखद हादसा हो गया। प्रतिवर्ष हिमाचल में गर्मियों के मौसम में पर्यटकों व लोगों के डूबने के हादसे होते रहते हैं।परन्तु सबक न सीखना लोगों व दूसरे राज्यों से हिमाचल घूमने आए पर्यटकों की आदत बनता जा रहा है। आंकडों के मुताबिक 8 जून 2019 शनिवार को हिमाचल में डूबने की तीन घटनाएं घटित हुई।एक दिन में खडडों में नहाने उतरे तीन लोगों की दर्दनाक मौतों से जनमानस खौफजदा है ।चंबा के भटियात में कलम खडड में नहाने उतरे सात साल के बच्चे की मौत गई थी।यह दूसरी कक्षा का छात्र था।नादौन में भी कुनाह खडड में नहाने उतरा एक 22 साल का युवक डूब गया। तीसरी घटना पर्यटक स्थल बरोट-मुल्थान में घटित हुई जहां उहल नदी में नहाते समय हरियाणा के पर्यटक की डूबने से मौत हो गई।वह 250 मीटर दूर तक पानी के बहाव में बह गया।पुलिस ने शव को बरामद कर लिया है।पर्यटक भी अपनी मनमानी से बाज नहीं आते है।करीब 11 साल पहले 2014 में मण्डी में हुए दर्दनाक हादसे को आज भी लोग नहीं भूले है जून 2014 में हैदराबाद के एक कालेज के छात्र-छात्राएं जो हिमाचल भ्रमण पर आए थे थलौट में दरिया के किनारे नहाने उतर गए थे जब लारजी प्रोजैक्ट से पानी छोडा था उसमें 24 छात्रों की मौत हो गई थी लगभग एक महिना सर्च आपरेशन चलाया गया और तब जाकर उनकी लाशों का निकाला गया था जिसमें करोड़ों रुपया खर्च आया था।गनीमत रही कि दूसरी बस के छात्र नहाने नहीं उतरे तो कम से कम 50 छात्र मारे जातें। मनाही के बावजूद भी खडडों में नहाने का जोखिम उठा रहे हैं और बेमौत मारे जा रहे हैं।पिछले दस सालों में हजारों पर्यटक डूब कर मर चुके हैं।लाशें तक बरामद नहीं हो रही है फिर थी जानबूझकर मौत को आमंत्रण देते है। कांगडा में भी नदी किनारे दो भाई बहन कपड़े धोने गए थे कि भाई का पांव फिसला और वह नदी में डूब गया उसको बचानें के लिए बहन पानी में कूद गई और दोनों बेमौत मारे गए। देश की नदियों में नौनिहालों के डूबने के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। वर्ष 2015 में आगरा में यमुना नदी में चार नाबालिग बच्चे डूब गए थे जिनमें से एक बच्चे को लोगों ने बचा लिया था मगर तीन बच्चे डूब कर बह गए थे। यह बहुत ही दुखद हादसा था। मगर प्रशासन की नींद तो हादसों के बाद ही टूटती है जब लाशों ढेर लग जाते मण्डी में भी खडड में डूबने से एक छात्र की मौत की स्हायी सूखी भी नहीं थी कि इन घटनाओं ने नई इवारत लिख दी है।प्रशासन को चाहिए कि पर्यटको पर शिकंजा कसा जाए जो हादसों को अंजाम दे रहे है।

आज का राशिफल

मेष – आपको सतर्क रहना होगा और किसी भी प्रकार के अनावश्यक खर्चों से दूरी बनाकर रखें।

वृषभ – आज कार्यक्षेत्र में कामकाज के सिलसिले में आपको ज्यादा व्यस्त रहना पड़ सकता है।

मिथुन – आज आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको अचानक धन लाभ भी हो सकता है।

कर्क – आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, जिसके चलते दिन उत्तम रहने वाला है।

सिंह – आज कार्यक्षेत्र में आपको अपने मित्रों और अन्य सहकर्मियों की भावनाओं को समझना होगा।

कन्या – सावधान रहने की जरूरत है इस समय आपको अधिक खर्चों का सामना करना पड़ सकता है।

तुला – आज व्यापार के मामले में आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है।

वृश्चिक – कार्यक्षेत्र में आप अपनी जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे।

धनु – कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण मीटिंग या चर्चा में सभी आपके सुझावों को गंभीरता से लेंगे।

मकर – मामलों में अनावश्यक खर्चे सामने आ सकते हैं जो आपको न चाहते हुए भी करने होंगे।

कुंभ – आपका ज्यादा समय बुद्धि और विवेक के साथ नई-नई खोज करने में व्यतीत हो सकता है।

मीन – आज सामाजिक सम्मान प्राप्त होगा, जिससे आपको मनोबल में भी वृद्धि होगी।

विशेष

डोनाल्ड ट्रंप को तालिबानियों का करारा जवाब

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान को एयरबेस लौटाने की धमकी दी। ट्रंप ने कहा था, यदि अफगानिस्तान ने उसका एयरवेस नहीं लौटाया, तो वह हमला करेगा। इस धमकी का जवाब तालिबानियों ने बड़े कठोर लहजे मे दिया है, नहीं देंगे युद्ध के लिए हम तैयार हैं। डोनाल्ड ट्रंप को इस तरीके के जवाब की आशा नहीं थी। अमेरिका को जिस तरह अफगानिस्तान से सामान छोड़कर भागना पड़ा था। ट्रंप शायद यह भूल गए थे। अब वह समझ नहीं पा रहे हैं, अफगानिस्तान से वह कैसे निपटें। पहले ही अमेरिका सबक ले चुका है। सारी दुनिया में अमेरिका की थू-थू हुई थी। अब यदि कोई पंगा किया, तो तालिबानियों का जवाब ज्यादा महंगा पड़ सकता है। ट्रंप ने अब चुप्पी साध ली है।

अपने ही मकड़ जाल में फंसा चुनाव आयोग

केंद्रीय चुनाव आयोग ने जो मकड जाल पिछले कई वर्षों में बुना था। इस मकड़जाल में अब चुनाव आयोग फंस गया है। उससे बाहर निकलने का कोई रास्ता चुनाव आयोग को नहीं मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था। आपत्ती आने पर 5 फीसदी ईवीएम मशीन, वीवीपेट और कंट्रोल यूनिट की जांच चुनाव आयोग को करना होगी। उसके लिए आवेदक पैसे जमा करेंगे। चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से पलट गया। एसआईआर के मामले में भी चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट की बात नहीं मान रहा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1766: ब्रिटिश रसायनशास्त्री जान डाल्टन का जन्म. 1821: ईश्वरचंद्र विद्यासागर का जन्म. 1851: फ्रांस में प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया. 1919: भारतीय रोटरी क्लब की पहली बैठक कोलकत्ता में हुई थी. 1971: न्यूजीलैंड स्वशासी देश बना. 1975: महिला और पुरुष को एक समान वेतन देने का अध्यादेश जारी हुआ. 1976 : अफ्रीका के पांच देशों ने रोडेशियाई योजना को अस्वीकार कर दिया. 1977: प्रसिद्ध नर्तक उदयशंकर का निधन. 1984: चीन और ब्रिटेन में हांगकांग लौटाने के बारे में समझौता हुआ. 1988: बर्मी मंत्रिमंडल के एक मंत्री की हत्या हुई. 1989: सोवियत संघ ने रासायनिक हथियारों को नष्ट करने में सहयोग का आश्वासन राष्ट्रसंघ में दिया.

दैनिक पंचांग

26 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.25 बजे से
चंद्र	तुला में	वृश्चिक	09.40 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.56 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.01 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.48 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	17.21 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.51 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.31 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.29 बजे से
		कर्क	00.43 बजे से
		सिंह	02.59 बजे से
		कन्या	05.11 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2025 वर्ष का 269 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 09.34 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 22.09 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 22.50 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 09.34 बजे तदनन्तर बव 22.49 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 01° 16'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872479
जूलियन दिन 2460944.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रबी उस्सानी
तारीख 03
विशेष ललिता पंचमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

सीआरपीएफ व रेड क्रॉस सोसायटी ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन

जादूगोड़ा , एजेंसी। राष्ट्र की सुरक्षा में जुटी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की जादूगोड़ा स्थित सासपुर मुख्यालय में सीआरपीएफ व भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से आज बुधवार को अस्पताल परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में 54 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस मौके पर समारोह के मुख्य अतिथि सह सीआरपीएफ के उपमहानिरीक्षक रमेश कुमार ने कहा कि देश की सुरक्षा के साथ-साथ समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी बनती है। जिसके तहत भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित की गई है। इस मौके पर जवानों का हौसला अफजाई करने को लेकर सीआरपीएफ के डीआईजी रमेश कुमार व सहायक कमांडेंट जफर आलम ने भी खुद रक्तदान किया तथा कहा कि जवानों की समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी है जिसे लेकर रक्तदान शिविर आयोजित की गई है ताकि किसी भी व्यक्ति की मौत ब्लड की कमी से न हो सके। उन्होंने जानकारी दी कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मेगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। जिसके तहत यह कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में रमेश कुमार (पुलिस उपमहानिरीक्षक) जफर आलम (सहायक कमांडेंट) डॉ उर्मिला गारी (डीआईजी मेडिकल), डॉ मीना नवीन सीएमओ (एस जी), नीरज कुमार उपकमांडेंट, मकसूद आलम सहायक कमांडेंट इत्यादि मौजूद थे।

अवैध खनन पर प्रशासन की सख्ती, छेलखानी व कोलाबाडिया में डोगी ड्रम नष्ट किया

सरायकेला, एजेंसी। राजनगर थाना क्षेत्र में अवैध खनन पर लगाम कसने के लिए खनन विभाग और पुलिस ने मंगलवार को संयुक्त अभियान चलाया। छेलखानी और कोलाबाडिया इलाके में छापेमारी करते हुए अवैध खनन में प्रयुक्त डोगी ड्रम को आग लगाकर नष्ट कर दिया गया। हालांकि छापेमारी की भनक लगते ही बालू माफिया मौके से गाड़ियों समेत फरार हो गए, जिस कारण कोई वाहन जब्त नहीं हो सका। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से यह बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। माना जा रहा है कि इस अभियान से क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगेगा। राजनगर थाना प्रभारी चंचल कुमार ने कहा कि अवैध खनन से न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान होता है, बल्कि पर्यावरण को भी गंभीर क्षति पहुंचती है। इस तरह की गतिविधियों को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे भी इसी तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। वहीं, खनन इंस्पेक्टर समीर ओझा ने बताया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप यह अभियान चलाया गया। एनजीटी ने बार-बार अवैध खनन और पर्यावरण प्रदूषण को लेकर राज्यों को सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया है। अवैध बालू खनन को लेकर कई जिलों में जुर्माने और कार्रवाई के आदेश भी दिए गए हैं। अवैध खनन करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। ग्रामीणों का मानना है कि इस प्रकार की लगातार छापेमारी से क्षेत्र में बालू माफियाओं की गतिविधियों पर रोक लगेगी।

पेसा कानून लागू होने तक लघु खनिजों के आवंटन से रोक नहीं हटेगी -हाईकोर्ट

रांची, एजेंसी। अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को अधिकार देने के लिए पेसा कानून लागू करने की मांग को लेकर दायर याचिका पर बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने पेसा कानून लागू न होने पर कड़ी नाराजगी जताई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने बालू घाटों और लघु खनिजों के आवंटन से रोक हटाने की मांग को लेकर हस्तक्षेप याचिका दाखिल की। इस पर कोर्ट ने कहा कि हम केवल आदेश देते रहेंगे और सरकार सुनती रहेगी, ऐसा नहीं चलेगा। जब तक नियमावली अधिसूचित नहीं होती, तब तक लघु खनिजों के आवंटन से रोक नहीं हटेगी। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि पेसा एक्ट 1996 के तहत अब तक नियमों को क्यों अधिसूचित नहीं किया गया। जिम्मेदार अधिकारियों पर क्या कार्रवाई की गई। अदालत ने कहा कि क्यों न इसे अदालत के आदेश की अवमानना माना जाए।सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि पेसा कानून की नियमावली का ड्राफ्ट कैबिनेट को भेजा जा चुका है। उन्होंने अदालत से एक माह का समय मांगा। याचिकाकर्ता आदिवासी बुद्धिजीवी मंच की ओर से अधिवक्ता अभिषेक राय और ज्ञानंत सिंह ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि ऐसे ड्राफ्ट पहले भी कई बार विभिन्न स्तर पर भेजे गए हैं। इसके बावजूद आज तक नियम लागू नहीं हुआ। इस पर अदालत ने कहा कि प्रक्रिया से कोई मतलब नहीं है, आदेश का पालन होना चाहिए।

ड्रिप सिस्टम से किसान बदल रहे खेती का चेहरा, 2 महीने में 5-6 लाख की कमाई

कभी रोजगार के लिए पलायन, आज ग्रामीणों को दे रहे रोजगार

रांची, एजेंसी। रंका अनुमंडल मुख्यालय के सदर प्रखंड स्थित होन्हे खुर्द गांव के किसान अपनी मेहनत और आधुनिक तकनीक के सहारे खेती का नया आयाम गढ़ रहे हैं। अल्पवृष्टि वाले इस क्षेत्र में जहां कभी किसान बारिश की कमी से परेशान रहते थे, वहीं अब ड्रिप सिस्टम के जरिए सब्जी की खेती कर आर्थिक रूप से सबल हो रहे हैं। पहले इस भूभाग पर जंगल हुआ करता था, जिसको सफाई करके यहां के मेहनतकश किसानों ने खेती के लायक उपजाऊ जमीन बनाई।

डेढ़ लाख रुपए की राशि से ड्रिप मशीन, बीज मजदूर, बांस, धागा लेक्ट्रर, मल्चिंग बांस, नेट आदि की व्यवस्था कर एक एकड़ में खीरा और टमाटर की खेती की शुरुआत की। यहां के किसान प्रतिदिन 50 हजार से 60 हजार रुपए तक की सब्जियों की बिक्री कर अपनी आय का नया स्रोत बना चुके हैं। गांव के किसान नजाबुद्दीन अंसारी, रहमतुल्ला अंसारी, आशिक अंसारी, आदम अंसारी, इम्तियाज अंसारी, अख्तर अंसारी और जब्बार अंसारी जैसे लोगों ने खेती को न सिर्फ जीविकोपार्जन का साधन बनाया है, बल्कि दूसरे लोगों को भी रोजगार देने का काम किया है। प्रतिदिन एक किसान 10 मजदूरों को अपने खेत में रोजगार दे रहे हैं। इस प्रकार सैकड़ों मजदूर उनके खेतों में प्रतिदिन कार्य कर रहे हैं।

10 से 30 टन तक खीरा, टमाटर, मिर्चा, बैगन का कर रहे उत्पादन : होन्हे खुर्द में मुख्य रूप से खीरा, मिर्चा और बैंगन की खेती बड़े पैमाने पर की जा रही है। इसके अलावा टमाटर, गोभी और अन्य मौसमी सब्जियां भी किसान उगा रहे हैं। किसान 10 से 30 टन तक खीरा, टमाटर, मिर्चा, बैगन का उत्पादन कर रहे हैं।

किसानों का कहना है कि केवल दो महीने की फसल में ही वे 5 से 6 लाख रुपए तक की कमाई कर लेते हैं। जहां कभी लोग खेती छोड़कर पलायन करने को मजबूर थे। किसानों के अनुसार, सब्जियों की मांग स्थानीय बाजार से लेकर दूरदराज तक के शहरों में है। यहां का खीरा बिहार के औरंगाबाद, पटना, जहानाबाद, बनारस, समस्तीपुर, गया, पश्चिम बंगाल जैसे शहरों में प्रतिदिन भेजा जा रहा है।

किसान बोले... बस सरकारी सहयोग की कमी : किसानों ने बताया कि सरकार की ओर से सिंचाई की कोई ठोस सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। अगर सरकार द्वारा नहर, चेकडैम या पाइपलाइन जैसी योजनाएं लागू की जाती तो खेती की स्थिति और बेहतर हो सकती थी। किसानों का कहना है कि वे अपनी मेहनत और खुद की लागत पर कुआं खुदवाकर खेती कर रहे हैं। बावजूद इसके उन्होंने साबित किया है कि आत्मनिर्भरता के दम पर भी सफलता पाई जा सकती है।

सरकार ने कैबिनेट बैठक में लिए बड़े फैसले, 27 प्रस्तावों पर लगी मुहर, 4 जिलों में खुलेंगे एनडीपीएस थाना

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में आयोजित राज्य कैबिनेट की बैठक में 27 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट सचिव वंदना दाड़ेल ने प्रेस ब्रीफिंग में फैसलों की विस्तृत जानकारी साझा की। सबसे अहम निर्णय अफीम की अवैध खेती पर रोक लगाने से जुड़ा रहा। इसके तहत राज्य के उन चार जिलों में, जहां अफीम की खेती सबसे अधिक होती है, नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) पुलिस थाना स्थापित किए जाएंगे। सरकार का मानना है कि इन थानों से मादक पदार्थों के अवैध कारोबार और खेती पर सख्ती से लगाम लगाई जा सकेगी।

शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़े फैसले लिए गए। नेतरहाट आवासीय विद्यालय की तर्ज पर बोकारो में नया आवासीय विद्यालय खोला जाएगा। इसके लिए 116 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। वहीं, रांची स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज के लिए 97 करोड़ रुपये की लागत से नए भवन के निर्माण को मंजूरी दी गई है। सरकार का दावा है कि इन फैसलों से तकनीकी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को मजबूती मिलेगी। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से वन स्टॉप सेंटर योजना के तहत चार नए केंद्र खोलने का निर्णय हुआ। साथ ही, कस्तूरबा गांधी विद्यालय के कर्मियों के भत्तों में बढ़ोतरी की गई।वन विभाग की ओर से सारंडा जंगल को वाइल्ड लाइफ सेंचुरी घोषित करने के प्रस्ताव को भी कैबिनेट की मंजूरी मिली। इसके अलावा, झारखंड सचिवालय कार्यालय प्रक्रिया 2025 को स्वीकृति प्रदान की गई और निजी सुरक्षा एजेंसियों के संचालन नियमावली में संशोधन किया गया।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आए छात्र की मौत

गिरिडीह के जमुआ में हुआ हादसा, लाइब्रेरी पढ़ने जा रहा था, ट्रक चालक हुआ फरार

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र के हाडोडीह गांव के 23 वर्षीय त्रिदेव कुमार वर्मा की बुधवार सुबह सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। त्रिदेव पढ़ाई में होनहार छात्र था। वह सिहोडीह में किराए पर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। प्रतिदिन की तरह वह सुबह बैंक ऑफ इंडिया के ऊपर स्थित लाइब्रेरी पढ़ने जा रहा था। तभी अचानक एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल त्रिदेव को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और कोहराम मच गया।

सड़क पर उतरे परिजन, पुलिस ने की कार्रवाई

त्रिदेव के शव को लेकर परिजन और ग्रामीण शहर की देवघर-गिरिडीह मुख्य सड़क जाम कर दिया। सूचना पाकर मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, लोग मुआवजा मिलने तक सड़क जाम हटाने के लिए तैयार नहीं थे। पुलिस ने अस्पताल जाकर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की। फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

प्रशासन से मिला आश्वासन, जाम हटाया गया

मौके पर पहुंचे सीओ जितेंद्र कुमार ने परिजनों और ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाया जाएगा और जल्द ही ट्रक चालक को गिरफ्तार किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद आंदोलनकारियों ने सड़क जाम हटा दिया। स्थानीय लोगों ने कहा कि गिरिडीह शहर और आसपास के इलाकों में तेज रफ्तार वाहनों के कारण हादसे आम हैं।

बिल बकाया वाले व्यावसायिक उपभोक्ताओं की बिजली कटनी शुरू

जेबीवीएनएल के स्मार्ट मीटर का नया सॉफ्टवेयर एक्टिव, जीरो बैलेंस होने पर खुद कट जाएगी बिजली

रांची, एजेंसी। रांची के प्री-पेड स्मार्ट मीटर वाले सभी तरह के कंज्यूमर अब अलर्ट हो जाएं। जेबीवीएनएल के स्मार्ट मीटर सिस्टम का नया सॉफ्टवेयर अप-टू-डेट हो गया। इसलिए, अब बिल बकाया या जीरो बैलेंस होने पर स्वतः बिजली कट जाएगी। जेबीवीएनएल ने फिलहाल घरेलू उपभोक्ताओं को राहत दे रही है, मगर व्यावसायिक उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़नी शुरू हो गई हैं।

शहर के करीब 10 हजार व्यावसायिक उपभोक्ताओं के प्री-पेड स्मार्ट मीटर का बैलेंस खत्म हो गया है। इनका कनेक्शन काटे जाने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। वहीं, अब आम घरेलू उपभोक्ताओं को भी अधिक दिनों तक राहत नहीं मिलेगी। इसलिए, वे भी अपना-अपना बिजली बिल एटीपी मशीन के माध्यम से जमा कराएं या ऑनलाइन रीचार्ज कराना शुरू कर दें।

जेबीवीएनएल ने सेंट्रल डिविजन के अंतर्गत मेन रोड, थड़पखना और चर्च रोड जैसे इलाकों में करीब 3316 दुकानों की बिजली सोमवार रात को ही काट दी है। जबकि, रांची पश्चिमी डिविजन के पिस्का मोड़ और रातू रोड इलाके में लगभग 2500 उपभोक्ताओं की बिजली काटी गई है। इसके अलावा बिल बकाया या जीओ बैलेंस वाले अन्य व्यावसायिक उपभोक्ताओं की भी बिजली कनेक्शन काटे जाने की तैयारी चल रही है। इसकी कवायद शुरू कर दी गई है।

जेबीवीएनएल सभी तरह के उपभोक्ताओं से अपील की है जिनका मीटर बैलेंस शून्य हो चुका है, उन्हें तुरंत रिचार्ज करना होगा। उपभोक्ता एटीपी मशीन, ऑनलाइन माध्यम या एसबीआई ई-पे के जरिए भुगतान कर सकते हैं। बकाया राशि के साथ कम से कम 200 रुपए अतिरिक्त बैलेंस के रूप में भी रिचार्ज कर लें, ताकि आगे भी बिजली आपूर्ति बनी रहे। जिन उपभोक्ताओं को बिल में कोई त्रुटि लग रही है, वे तुरंत अपने विद्युत प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता से मिलकर समाधान करवा लें। दो दिन की रियायत दी गई है। इस दौरान उपभोक्ता रिचार्ज करवा लें, तो उनकी बिजली फिर से जोड़ दी जाएगी। लेकिन अगर तय समय के भीतर रिचार्ज नहीं किया गया, तो लाइन पूरी तरह काट दी जाएगी और दोबारा क?नेक्शन चालू कराने के लिए पूरा बकाया एक साथ चुकाना पड़ेगा।

11 अक्टूबर से दिल्ली तक चलेगी धनबाद-जम्मू एसी स्पेशल ट्रेन, डीडीयू-वाराणसी-प्रयागराज में स्टॉपेज

धनबाद, एजेंसी। धनबाद से जम्मू के बीच चलने वाली एसी स्पेशल ट्रेन अब नवंबर तक दिल्ली तक चलेगी। जम्मू में भारी बारिश से रेल ब्रिज में खराबी आने से धनबाद-जम्मू स्पेशल मध्य अक्टूबर तक रद कर दी गई है। यात्रियों की मांग पर रेलवे ने इस ट्रेन को धनबाद से दिल्ली तक चलाने की मंजूरी दे दी है।

थर्ड एसी इकोनॉमी कोच के साथ चलने वाली ट्रेन 11 अक्टूबर से सप्ताह में दो दिन चलेगी। धनबाद से गोमो, पारसनाथ, हजारीबाग रोड, कोडरमा, गया, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी आन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, डीडीयू, वाराणसी, प्रयागराज, गोविंदपुरी व टूंडला होकर दिल्ली जाएगी। धनबाद से दिल्ली के बीच ठहराव व टाइम टेबल में कोई बदलाव नहीं होगा। 03309 धनबाद-दिल्ली स्पेशल प्रत्येक मंगलवार व शनिवार को 11 अक्टूबर से 29 नवंबर तक चलेगी। धनबाद से सुबह 10:10 पर चलकर अगले दिन सुबह 9:15 पर दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में 03310 दिल्ली-धनबाद स्पेशल बुधवार व रविवार को 12 अक्टूबर से 30 नवंबर तक चलेगी।

दिल्ली से दिन में 11:45 पर चलकर अगले दिन दोपहर एक बजे धनबाद आएगी। गुरुवार से इस ट्रेन में टिकटों की बुकिंग शुरू होने की संभावना है। सियालद बलिया, हावड़ा रक्सौल सहित कई ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बा जोड़ा जाएगा। पर्व में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने हावड़ा-रक्सौल-हावड़ा मिथिला एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त शयनयान श्रेणी का डिब्बा जोड़ने का निर्णय लिया है।

मिथिला एक्सप्रेस हावड़ा से 25 सितंबर से 31 अक्टूबर तक एवं रक्सौल से 26 सितंबर से एक नंबर तक 21 डिब्बों की बजाय 22 डिब्बों के साथ चलेगी। सियालदह-बलिया-सियालदह एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त शयनयान श्रेणी का डिब्बा जोड़ा जाएगा। यह ट्रेन 25 सितंबर से 31 अक्टूबर तक सियालद से चलेगी, जबकि 26 सितंबर से एक नवंबर तक तक बलिया से चलेगी। यह ट्रेन 19 डिब्बों की बजाय 20 डिब्बों के साथ चलेगी।

सियालदह-जयनगर-गंगासागर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त शयनयान श्रेणी का डिब्बा जोड़ा जाएगा। यह ट्रेन 25 सितंबर से 31 अक्टूबर तक सियालदह से चलेगी और 26 सितंबर से एक नवंबर तक जयनगर से चलेगी। ट्रेन 19 डिब्बों के बजाय 20 डिब्बों के साथ चलेगी।

हावड़ा-योगनगरी ऋषिकेश-हावड़ा दून एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त शयनयान श्रेणी का डिब्बा जोड़ा जाएगा। यह ट्रेन 25 सितंगर से 31 अक्टूबर तक हावड़ा से चलेगी और 27 सितंबर से दो नवंबर तक योगनगरी ऋषिकेश से चलेगी।

ट्रांसमिशन निगम खड़ा करेगा अपना नेटवर्क, खुद करेगा बिजली आपूर्ति

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार ने कमांड एरिया के सात जिलों को डीवीसी से मुक्त करने की तैयारी कर ली है। अगले तीन साल में झारखंड ट्रांसमिशन निगम अपना ने?टवर्किंग सिस्टम खड़ा कर इन इलाकों में खुद बिजली आपूर्ति करेगा। इसके तहत ग्रिड सब स्टेशन बनेंगे। ट्रांसमिशन लाइन बिछाई जाएगी। इसके बनने से डीवीसी पर निर्भरता पूरी तरह खत्म हो जाएगी। मुख्यमंत्री सह ऊर्जा मंत्री हेमंत सोरेन ने कहा था कि झारखंड अपने बल पर बिजली आपूर्ति करने की तैयारी करे। इसके लिए कार्ययोजना बनाए। इसके बाद निगम ने आठ नई परियोजनाएं तैयार की है, जिसे कैबिनेट की मंजूरी मिल चुकी है। जल्दी ही इन योजनाओं पर काम शुरू होगा।

पतरातू थर्मल पावर प्लांट की पहली यूनिट से जेबीवीएनएल को 585 मेगावाट बिजली मिलने लगी है। दो साल में दूसरी और तीसरी यूनिट से भी बिजली आपूर्ति शुरू हो जाएगी। इससे 85 फीसदी बिजली झारखंड को मिलेगी। यानी झारखंड के पास पर्याप्त बिजली होगी। उधर, नेटवर्किंग सिस्टम पर भी काम शुरू हो रहा है। इससे जेबीवीएनएल इन जिलों में खुद बिजली आपूर्ति करने में सक्षम हो जाएगा और डीवीसी पर निर्भरता खत्म हो जाएगी।

डीवीसी कमांड एरिया में सात जिले देवघर, दुमका, गिरिडीह, हजारीबाग, रामगढ़, धनबाद और बोकारो है। इन जिलों में डीवीसी अपनी ट्रांसमिशन लाइन के जरिए 600 मेगावाट बिजली की आपूर्ति करता है। जबकि इन जिलों में बिजली की मांग 1200 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। डीवीसी ने इन इलाकों में न तो कोई नई ट्रांसमिशन लाइन बिछाई है और न ही नया नेटवर्किंग सिस्टम बनाया है। सभी सिस्टम पुराने हो चुके हैं। वह मांग के अनुसार बिजली आपूर्ति करने में सक्षम नहीं है।

बंदरों से निपटने के लिए ओएचई पर लगेंगे एंटी मंकी डिवाइस

धनबाद, एजेंसी। ओएचई (ओवरहेड इक्विपमेंट) पर चढ़ कर उछल कूद करने वाले बंदरों की रोकथाम को रेलवे ने तरकीब ढूंढ़ निकाली है। इसके लिए ओएचई में एंटी मंकी क्लाइंबिंग डिवाइस लगाए जाएंगे। इससे न केवल बंदरों को चढ़ने से रोका जा सकेगा बल्कि हाई वोल्टेज के झटके से उन्हें बचाया भी जा सकेगा।

साथ ही रेलवे को ओएचई के नुकसान से बचाया जा सकेगा। झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश तक फैले धनबाद रेल मंडल के ऐसे कई रेलखंड हैं जहां अक्सर बंदर ओएचई पर चढ़ जाते हैं।

बंदर के ओएचई के खंभे या उसके एंगल को हिलाने पर ओवरहेड तार भी हिलने लगते हैं। इससे कई बार ओएचई ट्रिप कर जाती है और ट्रेनों को बिजली आपूर्ति ठीक से नहीं हो पाता। उछल कूद करने से कई बार ओएचई तार टूट जाते हैं।

इससे रेल सेवा प्रभावित होती ही है। कई बार करंट की चपेट में आकर बंदर की मौत भी हो जाती है। एंटी क्लाइंबिंग डिवाइस से ऐसी घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी।

परिंदों की बचेगी जान, रेलवे को भी नहीं होगा नुकसान : ओएचई के इंसुलेटर की परिंदों से सुरक्षा के लिए एंटी बर्ड डिस्क भी लगाए जाएंगे। ओएचई के इंसुलेटर चीनी मिट्टी के बने होते हैं। पक्षियों के उस पर बैठने से इसमें खराबी आने की संभावना बनी रहती है। साथ ही पक्षियों के करंट की चपेट में आकर मरने या घायल होने का भी खतरा रहता है।

एंटी बर्ड डिस्क पक्षियों को बिजली के तार के संपर्क में आने से बचाएगी। साथ ही इंसुलेटर को नुकसान पहुंचने से बचाने में भी मदद करेगी। लाइन ट्रिप होने से रोकेगी जिससे ट्रेनों का परिचालन सुचारू रूप से जारी रखने में मदद मिलेगी।

ओएचई खंभों में लगेगी डिवाइस

एंटी मंकी क्लाइंबिंग डिवाइस को ओएचई के खंभे में लगाया जाएगा। डिवाइस के आसपास कंटीले तार रहेंगे।इससे जैसे बंदर ऊपर चढ़ने की कोशिश करेंगे, उनका पैर फिसलने लगेगा और चढ़ नहीं सकेंगे।

इन बंदरबहुल रेलखंडों पर 1.72 करोड़ से लगेंगे 900 डिवाइस

धनबाद रेल मंडल के बरकाकाना, खलारी, लातेहार, डालटनगंज, हजारीबाग रोड, हजारीबाग टाउन, रेणुकूट व चोपन जैसे बंदरबहुल रेलखंडों पर एंटी मंकी क्लाइंबिंग डिवाइस लगाए जाएंगे। इसके लिए रेलवे ने लगभग 1.72 करोड़ का टेंडर जारी किया है। इन रेलखंडों में 900 डिवाइस लगेंगे।

सुकून से सोना है तो करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

डाइट में शामिल करें एंटी-एजिंग फूड्स एजिंग होगी स्लो

यह सच है कि हमारी त्वचा हमारे स्वास्थ्य और उम्र दोनों को बयां करती है। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, घुटने कमजोर होने लगते हैं और त्वचा पर झुर्रिया आने लगती है। ऐसे और भी तमाम लक्षण नजर आने लगते हैं। इसलिए बढ़ती उम्र के साथ अपने खानपान पर भी ध्यान देना चाहिए। अपनी डाइट में ऐसे फूडस को शामिल करें, जिनमें एंटी-एजिंग प्रॉपर्टीज हो। इससे आपकी त्वचा के लिए जरूरी पोषक की कमी दूर होगी और आपकी एजिंग भी स्लो हो जाएगी।

ग्रीन टी

एंटी एजिंग के रिवर्सिंग के लिए ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट की हाई मात्रा पाई जाती है। इसमें विशेष रूप से पॉलीफेनोल्स नामक एंटीऑक्सीडेंट होता है। ग्रीन टी में रिवर्स एजिंग के गुण होते है, इसलिए दिन में दो कप ग्रीन टी का सेवन जरूर करें।

डार्क चॉकलेट

त्वचा के लिए जरूरी पॉलीफेनोल्स डार्क चॉकलेट में भी पाया जाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट भी एज रिवर्सिंग में मदद करता है। पॉलीफेनोल्स स्किन को सुरक्षित रखने और स्किन डैमेज को रिपेयर करने में मदद कर सकते हैं यह एंटीऑक्सिडेंट केवल त्वचा के लिए ही नहीं, बल्कि हार्ट हेल्थ के लिए भी अच्छा है। शुगर फ्री डार्क चॉकलेट वेट लॉस में भी मददगार है।

चुकंदर

चुकंदर में एंटी एजिंग गुण पाए जाते हैं क्योंकि ये सब्जी कई सारे विटामिन और फाइबर से भरपूर है। चुकंदर में विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन के जैसे विटामिन होते हैं, जो त्वचा के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

अंडे

कोलेजन त्वचा के लिए सबसे जरूरी प्रोटीन है, जो कि अंडे में पाया जाता है। यह प्रोटीन बाल और नाखून के लिए भी जरूरी है। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारे शरीर में कोलेजन का उत्पादन कम हो जाता है। जिसके कारण स्किन में एजिंग साइन दिखने लगते हैं। ऐसे में अंडे का सेवन आपके स्किन हेल्थ के लिए अच्छा होता है।

टमाटर

टमाटर में लाइकोपीन होता है, जो एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट है और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है। टमाटर का सेवन कइ प्रकार से स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। इसमें विटामिन सी और विटामिन की भी मात्रा होती है, जो त्वचा के लिए फायदेमंद हो सकता है और इसका सेवन कोलेजन के उत्पादन में भी मदद करता है।

अनार

अनार एक सुपरफूड है और इसमें विटामिन सी होता है, जो त्वचा के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें अनेक प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे कि पॉलीफेनोल्स और एंथोसायनिन्स होते हैं, जो एजिंग प्रॉसेस को बढ़ाता है।

फ्लैक्स सीड्स

त्वचा के लिए फ्लैक्स सीड्स का सेवन भी काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड्स, विशेषकर आला-लिनोलेनिक एसिड, होता है जो त्वचा के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

दूध को नहीं बनाया जा सकता भोजन का विकल्प

हमारे दादा-दादी हमेशा से बच्चों को दूध पीने की सलाह देते रहे हैं क्योंकि यह बहुत पोष्टिक और ताकतवर होता है। लेकिन समय के साथ दूध को लेकर तो धारणाएं हैं वो बदलती रही है। कुछ लोग ठंडा दूध पीना चाहते हैं तो कुछ उबालकर पीना पसंद करते हैं। कुछ ऐसे भी हैं जो मानते हैं कि दूध को बार-बार उबालने से उसके पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं।

ज्यादातर लोग मानते हैं कि दूध ही कैल्शियम का एकमात्र विकल्प है। यह पूरी तरह से सच नहीं हैं। दो चम्मच चिया सीड्स में दूध से 6 गुना अधिक कैल्शियम होता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन के मुताबिक, 100 एमएल दूध में 125 मिग्रा. कैल्शियम होता है, जबकि 100 ग्राम रागी में 344 मिग्रा कैल्शियम होता है। एक्सपर्ट कहते हैं, शरीर में कैल्शियम को एब्जॉर्ब होने के लिए विटामिन-डी भी पर्याप्त मात्रा में होना जरूरी है। दूध को खराब होने से बचाने के लिए उबाला जाता है। हालांकि इसे उबालने से इसके पोषक तत्वों पर असर नहीं पड़ता। आहार विशेषज्ञ मानते हैं कि दूध को कई बार उबालने से भी इसके पोषक तत्व नहीं खत्म होते। आहार विशेषज्ञों के मुताबिक, दूध सुबह ले सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें इसे खाली पेट न लें। ऐसा करने से पाचन बिगड़ सकता है। गैस बन सकती है। आयुर्वेद कहता है, अगर आपको वात और कफ दोष है तो सुबह खाली पेट दूध न लें। जिन्हें अक्सर खांसी की शिकायत रहती है, उन्हें भी सुबह खाली पेट दूध लेने से बचना चाहिए। दूध को पोषक तत्वों के आधार पर कम्प्लीट फूड कहते हैं, लेकिन इसे भोजन का विकल्प नहीं बनाया जा सकता है। शरीर को विटामिन-सी, फाइबर समेत कई पोषक तत्वों की जरूरत होती है जो दूध में नहीं होते। इसलिए इसे लंच या डिनर से रिप्लेस नही किया जाना चाहिए।

अदरक का उपयोग औषधि के रूप में ही करें

अदरक ब्लड थिनर है अदरक ब्लड को साफ करता है ब्लड में जो ब्लॉकेज हो जाती है उनको साफ करता है। अदरक खाते रहने से कभी हार्ट अटैक की समस्या नहीं होती, अदरक के साथ अगर हम नाखून के बराबर अदरक नाखून के बराबर हल्दी नाखून के बराबर लहसुन अगर तीनों मिलाकर खा ले तो अनायास हार्ट अटैक नहीं होता, सोते समय खाकर सो जाए। अदरक अपने खाने में हमेशा शामिल करते रहना चाहिए अदरक की चाय आप पी सकते हैं, 5 ग्राम अदरक, 5 ग्राम गुड़ ,पांच तुलसी का पत्ता ,पांच पुदीना का पत्ता ,एक इलायची, दो ग्राम दालचीनी मिलाकर चाय बना ले और इसमें नींबू डालकर पीए या नारियल का दूध बादाम का दूध या काजू का दूध डालकर पीए। अदरक हमारे सेल्स को मजबूत करता है हमारे अंदर एक डेंटेटिक सेल होता है जो हानि पहुंचाने वाले कीटाणुओं का भक्षण करता है मार देता है उन्हें टुकड़े-टुकड़े कर देता है ऐसे डेंटेटिक सेल को ताकत देने का काम अदरक करता है। अदरक एक औषधि है जिसे हमें औषधि के रूप में ही लेना चाहिए, अदरक का सेवन पूरे दिन में 5 ग्राम से ज्यादा नहीं लेना चाहिए 5 ग्राम हमारे बॉडी के लिए काफी है।

ताज़ी अदरक -ताजा जड़ी वाला अदरक का उपयोग सब्जी के रूप में किया जाना चाहिए।

सूखी अदरक - इसका उपयोग मसाला के रूप में किया जाता है। सूखे अदरक से तेल निकाला जाता है, जिसका उपयोग सॉफ्ट ड्रिंक में, कॉनफेक्शनरी में और परिरक्षक एजेंट के रूप में भोजन को स्वादिष्ट बनाने के लिए किया जाता है।

अदरक की पत्तियाँ - अदरक की पत्तियों का इस्तेमाल विभिन्न भोज्य पदार्थों में स्वाद बढ़ाने वाले एजेंट के रूप में किया जाता है।

काढ़ा- आयुर्वेद के अनुसार, अदरक का उपयोग दूध, शहद या जल के साथ काढ़ा बनाने में किया जा सकता है। आपके स्वास्थ्य की स्थिति के अनुसार आपके आयुर्वेदिक चिकित्सक आपको इसे लेने का रूप और डोज बताएँगे। इसके अतिरिक्त, हम आपको सलाह देते हैं कि किसी योग्य डॉक्टर से परामर्श किये बिना आप पहले से चल रही आपकी दवा को नहीं रोके।

एंटी-हाइपरटेंसिव प्रभाव रखते हैं चाकसू के बीज

अपने कई स्वास्थ्य लाभों के लिए जाने जाने वाले चाकसू के बीज आमतौर पर आयुर्वेद में उपयोग किए जाते हैं। पौधे के बीज और पत्तियों का व्यापक रूप से उनके औषधीय गुणों के लिए उपयोग किया जाता है।

चाकसू के बीज देसी सुपरफूड हैं जो भारत के लगभग सभी राज्यों में पाए जाते हैं, विशेष रूप से उत्तर-पश्चिम भारत, हिमालय की तलहटी में और सीलोन में। इन बीजों में कई औषधीय गुण होते हैं जिनका उपयोग काढ़े, पाउडर और जूस के रूप में भी किया जा सकता है। चाकसू के बीज प्रकृति में मूत्रवर्धक हैं, विरोधी भड़काऊ गुण हैं, और इसलिए गुर्दे, यकृत और मूत्र पथ के संक्रमण के प्रबंधन के लिए अच्छे हैं। यह रक्त प्रवाह भी बढ़ाता है। कुछ लोग इसे फेस मास्क के रूप में और आंखों की सफाई के लिए भी इस्तेमाल करते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, यह उच्च रक्तचाप के प्रबंधन में भी सहायक है। गर्भवती महिलाओं और पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं वाले रोगियों के अपवाद के साथ एक सामान्य व्यक्ति के लिए एक से दो ग्राम की खुराक उपयुक्त है, क्योंकि यह शरीर से पानी को बाहर निकालता है। चाकसू के बीज बेहद मक्खनदार होते हैं, इसलिए आमतौर पर इनका सेवन बारीक पाउडर के रूप में किया जाता है। चाकसू के बीजों में मौजूद लिनोलिक एसिड और लिनोलेनिक एसिड इसके एंटी-हाइपरटेंसिव प्रभाव के लिए जिम्मेदार होते हैं।

एंटी-इंफ्लेमेटरी

परंपरागत रूप से, चाकसू के बीजों का उपयोग उनकी एंटी-इंफ्लेमेटरी गतिविधि के लिए किया जाता है। केम्फेरोल और क्वेरसेटिन सहित फ्लेवोनोइड्स पीजीई 2 और इन्फ्लेमेटरी साइटोकिन्स को रोकते हैं और चाकसू के बीजों में एक एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में मौजूद होते हैं।

कब्ज रोकता है

तेज पत्ता के रोचक गुणों की तरह इसके चिकित्सीय लाभ भी हैं। अर्क में इमोडिन होता है जो कब्ज के मुद्दों के इलाज के लिए इसके रोचक गुणों को ट्रिगर करता है।

एंटीग्लाइकेशन गतिविधि

ग्लाइकेशन एक प्रतिक्रिया है जो शर्करा को कम करने के बीच होती है और यह एक गैर-एंजाइमिक प्रतिक्रिया है, जैसे कि ग्लूकोज और लिपिड, न्यूक्लिक एसिड और प्रोटीन। ग्लाइकेशन ग्लाइकोसिलेशन से बिल्कुल अलग है, जो एक एंजाइमी प्रतिक्रिया है। प्रोटीन का ग्लाइकेशन कई जटिलताओं और अपक्षयी रोगों का कारण बन सकता है। मधुमेह की जटिलताओं के प्रबंधन में एंटीग्लाइकेशन क्षमता वाले यौगिकों का उपयोग किया जा सकता है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि इस बीज के पाउडर का एक से दो ग्राम गर्भवती महिलाओं और पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं वाले रोगियों के अपवाद के साथ एक व्यक्ति के लिए उपयुक्त खुराक है, क्योंकि यह शरीर से पानी को बाहर निकालता है। आयुर्वेद के अनुसार, यह उच्च रक्तचाप के प्रबंधन में भी सहायक है।

अगले वर्ष मार्च तक के लिए निर्देश जारी

चांदी के कुछ आभूषणों के निर्यात के लिए सरकार ने बढ़ाई सख्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने बुधवार को कुछ चांदी के आभूषणों पर अगले साल 31 मार्च तक आयात से जुड़े नियम कड़े कर दिए हैं। सरकार के इस कदम का उद्देश्य थाईलैंड से बिना शोधित आभूषणों के नाम पर चांदी के आयात पर अंकुश लगाना है। भारत का आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संघ) के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता है। थाईलैंड इस दस देशों के समूह का सदस्य है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, आयात नीति को 31 मार्च, 2026 तक तत्काल प्रभाव से मुक्त से प्रतिबंधित में संशोधित किया गया है। प्रतिबंधित श्रेणी के अंतर्गत आने वाले सामानों के लिए सरकार से लाइसेंस लेना जरूरी है।

मोबाइल की ऑफलाइन बिक्री 40 प्रतिशत गिरी

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले 10 दिनों में ऑफलाइन रिटेल दुकानों पर मोबाइल फोन की बिक्री करीब 40 प्रतिशत तक गिर गई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि उपभोक्ता ई-कॉमर्स सेल का इंतजार कर रहे थे ताकि उन्हें सस्ते और आकर्षक डील्स मिल सके। फ्लिपकार्ट और अमेज़न ने सोमवार आधी रात से अपनी बड़ी सेल शुरू कर दी है, जिसमें स्मार्टफोन, खासकर प्रीमियम एप्पल और सैमसंग के प्रोडक्ट्स पर भारी डिस्काउंट मिल रहा है। ऑफलाइन रिटेलर्स का कहना है कि वे इन कीमतों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। उनका यह भी दावा है कि इन प्रोडक्ट्स का ज्यादातर स्टॉक ऑनलाइन चैनलों पर भेज दिया गया है। ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स असोसिएशन के चेयरमैन कैलाश लख्यानी ने बताया कि एप्पल और सैमसंग ने पहली सेल के लिए करीब 20 लाख यूनिट्स भेजी हैं, जबकि बाकी सभी ब्रैंड्स ने मिलकर ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म्स को 30-40 लाख यूनिट्स दी हैं। एप्पल और सैमसंग ने सवालों का जवाब नहीं दिया है। जीएसटी सुधारों का भी बिक्री पर कोई असर नहीं दिख रहा है। इंडस्ट्री की मांग के बावजूद मोबाइल फोन पर टैक्स 18 प्रतिशत ही रखा गया है। कंपनियों का कहना है कि अगर इन्हें जरूरी सामान घोषित किया जाता तो टैक्स घट सकता था। ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म्स पर पहले ही दिन स्टॉक खत्म हो जाने के बाद ऑफलाइन रिटेलर्स को उम्मीद है कि इस हफ्ते के आखिर से ग्राहक दुकानों की ओर लौटेंगे। दुकानदारों का अनुमान है कि त्योहारों के दौरान महीने दर महीने बिक्री दोगुनी हो जाएगी। पिछले साल की तुलना में इस बार वे 20 प्रतिशत ज्यादा सेल की उम्मीद कर रहे हैं। झारखंड के एक रिटेलर ने बताया कि सोमवार से ही ग्राहक दुकानों पर ज्यादा आने लगे हैं। ओडिशा के एक रिटेलर ने ईटी को बताया, हर कोई एप्पल और सैमसंग 824 पूछ रहा है। ऑफलाइन मार्केट में स्टॉक कम है। इनके दाम भी दुकानों पर ज्यादा हैं। हैदराबाद के एक रिटेलर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नए मॉडल्स की सप्लाई और कम हो जाएगी क्योंकि ब्रैंड्स फेस्टिव सीजन के पहले हिस्से में पुराने स्टॉक को जल्द से जल्द खत्म करने पर ध्यान दे रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री पुरी बोले- 2030 तक पांच मिलियन टन करेंगे उत्पादन

हाइड्रोजन है भविष्य का ईंधन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हाइड्रोजन की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन न केवल भविष्य का ईंधन है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का एक प्रमुख स्तंभ है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने याद दिलाया कि भारत का लक्ष्य 2030 तक सालाना 5 मिलियन टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। इसे एक मजबूत नीतिगत ढांचे और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 19,700 करोड़ रुपये का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि दुनिया का हर इलेक्ट्रोलाइजर निर्माता यहां आ रहा है क्योंकि उन्हें इसमें संभावनाएं दिख रही हैं।

हाइड्रोजन उत्पादन की लागत कम करने के प्रयास

पानीपत में इंडियन ऑयल के हरित हाइड्रोजन संयंत्र और विशाखापत्तनम में टोक्यो एनर्जी की प्रतिस्पर्धी बोलियों जैसे उदाहरणों का हवाला देते हुए, मंत्री ने बताया कि कैसे भारत की हाइड्रोजन उत्पादन लागत लगातार कम हो रही है, जो बढ़ते निवेशक विश्वास और प्रौद्योगिकी परिपक्वता का संकेत है।

हाइड्रोजन मिशन का उद्देश्यत्न उन्होंने भारतीय सौर ऊर्जा निगम की हरित अमोनिया निविदाओं की ओर भी इशारा किया। मंत्री ने हरित अमोनिया को प्राकृतिक गैस की तुलना में इसके संभार-तंत्रीय लाभों को देखते हुए निर्यात का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 4 जनवरी 2023 को 19,744 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी। मिशन का व्यापक उद्देश्य 2030 तक पांच एमएमटी प्रतिवर्ष ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखते हुए भारत को ग्रीन हाइड्रोजन और इसके व्युत्पन्नों के उत्पादन, उपयोग और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाना है।

जैव ईंधन सम्मिश्रण में भारत की उपलब्धि

जैव ईंधन सम्मिश्रण को अपनाने की उपलब्धि के बारे में बात करते हुए पुरी ने कहा कि हमने 2020 तक 10 प्रतिशत जैव ईंधन सम्मिश्रण का लक्ष्य रखा था। और हमने इसे पांच महीने पहले ही हासिल कर लिया। फिर हमने अपने लिए, 2020 नहीं, बल्कि मुझे लगता है कि 2022 का लक्ष्य रखा। फिर हमने 20 प्रतिशत का लक्ष्य रखा, मुझे लगता है कि 2030 तक। पहले ही हासिल कर लिया। अगला लक्ष्य हमने छह साल पहले ही हासिल कर लिया।

95 प्रतिशत पैसा दान करना चाहते हैं लैरी एलिसन

अमीरी में कहीं नहीं टिकते अंबानी और अडानी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन दुनिया के दूसरे सबसे बड़े रईस हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार उनकी नेटवर्थ 368 अरब डॉलर है। एआई का चलन बढ़ने के कारण ओरेकल के शेयरों में भारी उछाल आई है। इससे एलिसन की नेटवर्थ इस साल .176 अरब बढ़ी है। अमीरी में केवल टेस्ला के सीईओ एलन मस्क (458 अरब) ही उनसे आगे रह गए हैं। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि एलिसन ने 2010 में गिविंग प्लेज के तहत अपनी 95 प्रतिशत संपत्ति दान करने का वादा किया था। तब से, उन्होंने पारंपरिक गैर-लाभकारी संस्थाओं से दूरी बना ली है। उनका कहना है कि वे अपनी शर्तों पर अपनी संपत्ति दान करना पसंद करते हैं।

80 साल के हो चुके एलिसन की नेटवर्थ भारत के टॉप 8 रईसों की कंबाइंड नेटवर्थ के बराबर है।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 97.5 अरब डॉलर और गौतम अडानी की नेटवर्थ 89.1 अरब डॉलर है। सावित्री जिंदल की नेटवर्थ 34.4 अरब, शिव नाडर की 34.3 अरब, शापूरजी मिस्त्री की 32.5 अरब, सुनील मित्तल की 27.8 अरब, लक्ष्मी मित्तल की 27.1 अरब और अजीम प्रेमजी की नेटवर्थ 26 अरब है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि एलिसन अपनी संपत्ति कैसे दान करने की योजना बना रहे हैं। उनकी नेटवर्थ का ज्यादातर हिस्सा ओरेकल में उनकी 41 प्रतिशत हिस्सेदारी से आता है।

मेक इन इंडिया की 11वीं वर्षगांठः पीयूष गोयल बोले-

भारत को वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति में बदल दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। मेक इन इंडिया की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर कंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इसकी उपलब्धियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस विजन ने भारत को वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति में बदल दिया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2014 में शुरू की गई मेक इन इंडिया पहल का उद्देश्य देश के औद्योगिक आधार को पुनर्जीवित करना और देश को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाना था।

यह उपलब्धियां दर्शाती हैं कि भारत कितनी दूर आ गया है: गोयल ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट में कहा कि इन वर्षों में रिकॉर्ड एफडीआई प्रवाह, व्यापार करने में आसानी में व्यापक सुधार, वैश्विक स्तर पर दूसरे सबसे बड़े मोबाइल निर्माता के रूप में हमारी उन्नति, निर्यात में तेजी और रक्षा उत्पादन का विस्तार, ये सभी दर्शाते हैं कि हम कितनी दूर आ गए हैं।

मेक इन इंडिया का अगला चरण नया अध्याय लिखेगा: गोयल ने विश्वास व्यक्त किया कि मेक इन इंडिया का अगला चरण एक नया अध्याय लिखेगा। यह आत्मनिर्भर और विकसित भारत के माध्यम से वैश्विक नेतृत्व का अध्याय होगा।

इस पहल की परिकल्पना ऐसे समय में की गई थी जब भारत की आर्थिक वृद्धि में तेजी से गिरावट आई थी। देश को अपने विकास पथ को बनाए रखने में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था।

मेक इन इंडिया 2.0 में 27 सेक्टर्स शामिल: मेक इन इंडिया को भारत को विनिर्माण के एक वैश्विक केंद्र में बदलने के लिए डिजाइन किया गया था। इसके मुख्य उद्देश्य निवेश को सुगम बनाना, नवाचार को प्रोत्साहित करना और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा विकसित करना थे। अग्रणी वोकल फॉर लोकल पहलों में से एक के रूप में, इसका उद्देश्य न केवल भारत की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ावा देना था, बल्कि वैश्विक मंच पर इसकी औद्योगिक क्षमता को प्रदर्शित करना भी था।

स्टार्टअप में युवा और महिला उद्यमियों की भूमिका

इस औद्योगिक पुनरुद्धार की आधारशिला उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना रही है। इसे गोयल ने कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार सृजन का श्रेय दिया। उन्होंने युवा और महिला उद्यमियों की ऊर्जा से प्रेरित भारत के फलते-फूलते स्टार्टअप इकोसिस्टम पर भी प्रकाश डाला। इसने देश को दुनिया के तीसरे सबसे बड़े नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित किया है। गोयल ने इस आंदोलन के पीछे जमीनी स्तर की ताकत को रेखांकित करते हुए कहा कि यह यात्रा हमारे उद्योग, एमएसएमई, स्टार्टअप, उद्यमियों और हर उस नागरिक के सामूहिक प्रयास से संभव हो पाई है, जो अपने दिल में स्वदेशी की भावना रखते हैं।

फसलों की कीमतें वैश्विक कारकों से होती हैं निर्धारित

सरकार को किसानों का समर्थन करने की जरूरत: गडकरी

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार को उन किसानों का समर्थन करने की जरूरत है जिन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिलता क्योंकि फसलों की कीमतें वैश्विक कारकों से निर्धारित होती हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को यह बात कही।

भारत जैव-ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चीनी की कीमत ब्राजील, तेल की कीमत मलेशिया, मक्का की कीमत अमेरिका और सोयाबीन की कीमत अर्जेंटीना की ओर से निर्धारित होती है।

मंत्री ने कहा, हम ग्रामीण और आदिवासी भारत में गरीबी और बेरोजगारी की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, क्योंकि किसानों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में अच्छी कीमतें नहीं मिल रही हैं।

गडकरी ने कहा कि भारत की 65 प्रतिशत आबादी कृषि गतिविधियों में लगी हुई है। लेकिन देश के सकल घरेलू उत्पाद में उनका योगदान केवल 14 प्रतिशत है।

उन्होंने कहा, इसलिए, इस परिदृश्य में, हमारी ग्रामीण कृषि और जनजातीय अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए, हमें कृषि को समर्थन देने की आवश्यकता है... जो उपभोक्ता, देश और आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री ने बताया कि जब सरकार ने मक्के से बायो-एथेनॉल के उत्पादन की अनुमति दी तो मक्के की कीमत 1,200 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई।

उन्होंने कहा, इसलिए किसानों को कई आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें अपनी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। गडकरी के अनुसार, किसानों ने मक्के से इथेनॉल का उत्पादन करके 45,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई की है। उन्होंने कहा, इसलिए, ऊर्जा और बिजली क्षेत्र की ओर कृषि का विविधीकरण हमारे देश की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन का भारत में भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा, वर्तमान में हम ऊर्जा के आयातक हैं... वह दिन आएगा जब हम ऊर्जा के निर्यातक होंगे और यह देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। भारत में वायु प्रदूषण के बारे में बात करते हुए गडकरी ने कहा कि 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण परिवहन ईंधन के कारण होता है और यह देश, विशेषकर दिल्ली के लिए एक बड़ी समस्या है।

अमेरिका-यूरोप के बजाय अपने गांव में लिखी कामयाबी की स्क्रिप्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। शहर की चकाचौंध को छोड़कर एक युवा आर्किटेक्ट ने अपने गांव से कामयाबी की स्क्रिप्ट लिखी है। अमेरिका और यूरोप में करियर बनाने की बजाय हरियाणा के विशाल पचार ने पुश्तैनी खेती और मधुमक्खी पालन को ही अपना व्यवसाय बना लिया। वह हिसार के गोरछी गांव से हैं। उन्होंने पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक तकनीक और मार्केटिंग के साथ मिलाकर ऐसा बिजनेस मॉडल खड़ा किया, जिसने महज एक साल में उनकी कंपनी का रेवेन्यू 12 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.15 रुपये करोड़ कर दिया। यह सिर्फ एक बिजनेस की सफलता की कहानी नहीं है। अलबत्ता, यह साबित करता है कि अपनी जड़ों से जुड़कर और सही सोच के साथ काम करके छोटे से गांव में भी बड़ी से बड़ी कामयाबी पाई जा सकती है। आइए, यहां विशाल पचार की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

विशाल पचार का जन्म हरियाणा के हिसार जिले के गोरछी गांव के एक परिवार में हुआ। इस परिवार की कई पीढ़ियां खेती और मधुमक्खी पालन से जुड़ी थीं। बचपन से ही विशाल ने मिट्टी की महक और मधुमक्खियों की भिनभिनाहट के बीच जिंदगी गुजारी थी। हालांकि, उनका रास्ता अलग था। उन्होंने आर्किटेक्चर और अर्बन प्लानिंग की डिग्री हासिल की, जो उन्हें शहरी जीवन की ओर खींच रही थी। लेकिन, अपनी पढ़ाई के दौरान भी वह छुट्टी में अपने पिता की मदद करते थे। 15 साल के इस अनुभव ने उन्हें इमारतों के डिजाइन से ज्यादा मधुमक्खियों की दुनिया की ओर आकर्षित कर लिया।

आर्किटेक्ट से बीकीपर का सफर

कोरोना महामारी के दौरान विशाल को इस क्षेत्र में एक बड़ा अवसर दिखा। उन्होंने महसूस किया कि बाजार में केवल एक ही तरह का शहद उपलब्ध है, जबकि अलग-अलग फूलों से बनने वाले शहद का रंग, स्वाद और गुण अलग होते हैं। इसी कमी को दूर करने के लिए विशाल ने अपने पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शिक्षा के साथ मिलाया। उन्होंने कुरुक्षेत्र के एकीकृत मधुमक्खी विकास केंद्र से प्रमाणित मधुमक्खी पालक (बीकीपर) का कोर्स किया।

2024-25 में रिकॉर्ड 1.3 करोड़ यूनिट की बिक्री हुई थी

ज्यादा समय तक बारिश से 15 फीसदी तक घट सकती है एसी की बिक्री

ई दिल्ली, एजेंसी। प्रैल से जुलाई के बीच बेमौसम बारिश के चलते ालू वित्त वर्ष यानी 2025-26 में रूम एयर ंडीशनर की बिक्री में 10-15 फीसदी की गिरावट ाने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा का अनुमान है क उद्योग की बिक्री इस दौरान 1.15 करोड़ यूनिट ह सकती है। 2024-25 में रिकॉर्ड 1.3 करोड़ निट की बिक्री हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर ौर मध्य भारत में अप्रैल-जुलाई के में जब गर्मी रम पर होती है, उस दौरान लंबे समय तक बेमौसम ारिश होती रही। इससे एसी की मांग घट गई। लांकि, दूसरी छमाही यानी जुलाई-सितंबर के बीच ांशिक सुधार की उम्मीद है। खासकर दक्षिणी और श्चिमी क्षेत्रों से जो 2026 में और गर्म होने के र्वानुमान से प्रेरित है। इक्रा ने कहा, वस्तु एवं सेवा र (जीएसटी) की दर में कमी जनवरी, 2026 में ए स्टार लेबल दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन से ंबंधित मूल्य वृद्धि की भरपाई से कहीं अधिक होगी। ससे अगली तिमाही में सीजन से पहले की खरीदी ो बढ़ावा मिलेगा। 22 सितंबर से एसी पर जीएसटी 8 से घटकर 18 फीसदी आने से भी इसकी मांग

बढ़ने का अनुमान है। एसी उद्योग की दीर्घकालिक मजबूती मजबूत विकास कारकों बढ़ते तापमान, घरों में कम पहुंच, शहरीकरण और ऊर्जा कुशल मॉडलों की ओर लगातार बदलाव से बढ़ती प्रतिस्थापन मांग पर आधारित है। अगले दो वर्षों में क्षमता वर्तमान 2.6 करोड़ यूनिट से 40-50 फीसदी से अधिक बढ़ने की उम्मीद है। इसके लिए अगले दो-तीन वर्षों में 4,500-5,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च की योजना बनाई गई है। इसके विनिर्माण हेतु भारत सरकार की उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना से भारतीय रूम एसी उद्योग में स्वदेशीकरण को वर्तमान 50-60 फीसदी से बढ़ाकर 2027-28 तक 70-75 फीसदी तक किया जाएगा।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था रही मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी सितंबर 2025 बुलेटिन में कहा है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत लचीलापन दिखाया है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में देश ने पिछले पांच तिमाहियों का सबसे ऊंचा विकास दर दर्ज किया। इसका मुख्य आधार घरेलू कारक और सुधार रहे। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, जहां एक ओर अमेरिकी टैरिफ और विकसित अर्थव्यवस्थाओं पर वित्तीय दबाव जैसी वैश्विक चिंताएं बनी हुई हैं, वहीं भारत घरेलू सुधारों और मजबूत आंतरिक मांग से लाभ उठा रहा है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ऐतिहासिक जीएसटी सुधारों से कारोबार में आसानी, खुदरा कीमतों में कमी और उपभोग वृद्धि कारकों में मजबूती के माध्यम से निरंतर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रिजर्व बैंक ने आगे कहा कि उपभोक्ता मुद्रास्फीति बढ़ी लेकिन लगातार सात महीनों तक लक्ष्य दर से नीचे रही। ब्याज दरों में कटौती से लोगों को मिला लाभ बुलेटिन में कहा गया है कि बाजार में ज्यादा तरलता रहने से ब्याज दरों में कटौती का फायदा लोगों तक तेजी से पहुंचा। अगस्त-सितंबर में शेयर बाजार में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। मजबूत सेवाओं के निर्यात और प्रेषण की बदौलत भारत का चालू खाता घाटा भी कम हुआ है।

यूपीआई ने नकद पर निर्भरता घटाई

असुरक्षित ऋण पर की गई सख्ती: रिपोर्ट में बताया गया कि 2024-25 में बैंकों का गैर-खाद्य ऋण थोड़ा धीमा हुआ क्योंकि असुरक्षित कर्ज पर सख्ती की गई थी। लेकिन इसकी भरपाई इक्विटी इश्यू, एनबीएफसी ऋण और अल्पकालिक बाहरी उधारी जैसे गैर-बैंक स्रोतों से हुई। इस वजह से वाणिज्यिक क्षेत्र में वित्तीय संसाधनों का कुल प्रवाह बढ़ा और क्रेडिट-टू-जीडीपी अनुपात में सुधार दर्ज किया गया। बुलेटिन ने यह भी बताया कि एनबीएफसी की कुल देनदारियों का दो-तिहाई हिस्सा उधारी का होता है, और दिसंबर 2024 के अंत तक उनकी उधारी की वृद्धि दर एक साल पहले की तुलना में अधिक रही। रिपोर्ट के मुताबिक, मशीन लर्निंग तकनीक से 56.9 लाख फिनटेक ऐप रिव्यू का विश्लेषण किया गया। इसमें पाया गया कि कुल मिलाकर यूजर एक्सपीरियंस सकारात्मक है, जहां भरोसा और संतुष्टि प्रमुख भावनाएं रहीं। हालांकि, कस्टमर सपोर्ट, ऐप की कार्यक्षमता और लोन प्रोसेसिंग से जुड़ी दिक्कतें अभी भी चिंता का कारण बनी हुई हैं। इसके अलावा डेटा प्राइवेसी पॉलिसी, मार्केट शेयर और बार-बार ऐप अपडेट भी यूजर्स की संतुष्टि को प्रभावित करते हैं।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान

करुण को नहीं मिली जगह; जडेजा बने उपकप्तान

मुंबई, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का एलान हो गया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की अगुआई में उतरेगी, जबकि रवींद्र जडेजा उपकप्तान होंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का एलान हो गया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी, जबकि रवींद्र जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो अक्तूबर को दो मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के बाद पहली बार भारतीय टीम टेस्ट मैच खेलने उतरेगी।

पंत की अनुपस्थिति में जुरेल संभालेंगे विकेटकीपिंग का जिम्मा – वेस्टइंडीज के खिलाफ ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग का जिम्मा संभालेंगे। टीम के अनुभवी विकेटकीपर ऋषभ पंत चोट से पूरी तरह उबर नहीं सके हैं जिस कारण इस सीरीज के लिए उनका चयन नहीं किया गया है। पंत इंग्लैंड दौरे पर उपकप्तानी का जिम्मा भी संभाल रहे थे और उनकी अनुपस्थिति में अब यह जिम्मेदारी रवींद्र जडेजा को सौंपी गई है। यह पहले से ही तय माना जा रहा था कि पंत वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। ऐसे में जुरेल पर जिम्मेदारी होगी जिन्होंने इंग्लैंड दौरे पर भी पंत की अनुपस्थिति में विकेट के पीछे जिम्मेदारी निभाई थी। विकेटकीपर के तौर पर जुरेल पहली पसंद हैं, जबकि बैकअप के तौर पर एन जगीदशन को भी टीम में जगह दी गई है।

बुमराह को नहीं दिया गया आराम – एशिया कप में भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रामण की अगुआई कर रहे जसप्रीत बुमराह को वेस्टइंडीज के खिलाफ आराम नहीं दिया गया है। इंग्लैंड दौरे पर बुमराह के कार्यभार प्रबंध का ध्यान रखा गया था और उन्होंने पांच में से सिर्फ तीन मैच ही खेले थे। इसे देखते हुए माना जा रहा था कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के मद्देनजर बुमराह को इस सीरीज से आराम मिल सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस बात की भी पूरी संभावना है कि बुमराह प्लेइंग-11 का हिस्सा होंगे। वहीं, उनके साथ मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा तेज गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे।

करुण बाहर, सरफराज को नहीं मिली जगह –इंग्लैंड दौरे से आठ साल बाद भारतीय टीम में जगह बनाने वाले करुण नायर को वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम में जगह नहीं दी गई है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके थे। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल पर आखिरी टेस्ट में अर्धशतक जमाने वाले करुण ने सभी पारियों में अच्छी शुरुआत की। वह खराब फॉर्म में नहीं थे लेकिन ज्यादा रन नहीं बना सके। इसके बाद उनकी अंगुली में चोट लग गई और वह दलीप ट्रॉफी नहीं खेल सके। दूसरी ओर, सरफराज खान को एक बार फिर टेस्ट टीम में जगह नहीं दी गई है। सरफराज पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस पर भी काम कर रहे थे और उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रन बनाए थे, लेकिन चयनकर्ताओं ने इस सीरीज के लिए उन्हें नहीं चुना है।

श्रेयस अय्यर ने लाल गेंद के प्रारूप से लिया ब्रेक – वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए टीम के एलान से पहले बीसीसीआई ने इस बात की पुष्टि कर दी थी कि श्रेयस अय्यर ने लाल गेंद के प्रारूप से छह महीने का ब्रेक लिया है। संभवतः इसी कारण चयनकर्ताओं ने श्रेयस के नाम पर विचार नहीं किया होगा। बीसीसीआई ने बताया था कि श्रेयस की ब्रिटेन में सर्जरी हुई थी और वह इससे उबर रहे हैं। हाल ही में लाल गेंद के मैच में खेलने के दौरान उन्हें दिक्कतें हो रही थी। श्रेयस चाहते हैं कि इस पीरियड को वह अपनी फिटनेस को ठीक करने के लिए लगाएं। श्रेयस के फैसले को देखते हुए बीसीसीआई ने ईरानी कप के लिए उनका चयन नहीं किया है।

ईरानी कप में रजत पाटीदार करेंगे शेष भारत की अगुआई

ऋतुराज होंगे उपकप्तान; विदर्भ से होना है मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। शेष भारत और रणजी ट्रॉफी चैंपियन विदर्भ के बीच नागपुर में एक अक्तूबर से ईरानी कप का मुकाबला होना है। इसके लिए रजत पाटीदार को शेष भारत की कमान सौंपी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ईरानी कप के लिए शेष भारत की टीम घोषित कर दी है। शेष भारत और रणजी ट्रॉफी चैंपियन विदर्भ के बीच नागपुर में एक अक्तूबर से ईरानी कप का मुकाबला होना है। इसके लिए रजत पाटीदार को शेष भारत की कमान सौंपी गई है, जबकि ऋतुराज गायकवाड़ उपकप्तानी का जिम्मा संभालेंगे।

अक्षय संभालेंगे विदर्भ की कमान – विदर्भ की नजरें 2017–18 और 2018–19 सत्र के बाद तीसरी बार ईरानी कप जीतने पर टिकी होंगी। शेष भारत ने 29 बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है। शेष भारत से पहले विदर्भ ने भी इस मुकाबले के लिए अपनी टीम घोषित की थी और विकेटकीपर बल्लेबाज अक्षय वाडकर को टीम की कमान सौंपी थी। विदर्भ क्रिकट संघ की सीनियर चयन समिति की बैठक में यश राठौड़ को उपकप्तान नियुक्त किया गया था। वाडकर ने 62 प्रथम श्रेणी मैचों में 48.82 की औसत से 11 शतक सहित 3906 रन बनाए हैं। पिछले सत्र में विदर्भ को रणजी खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले उस्मान गनी टीम के कोच होंगे।

ईरानी कप के लिए शेष भारत की टीम– रजत पाटीदार (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), यश ढुल, शेख रशीद, ईशान किशन (विकेटकीपर), तनुष कोटियान, मनव सुथार, गुरनुर बरार, खलील अहमद, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, सारांश जैन। ईरानी कप के लिए विदर्भ की टीम- अक्षय वाडकर (कप्तान और विकेटकीपर), यश राठौड़, अथर्व तायडे, अमन मोखड़े, दानिश मालेवार, हर्ष दुबे, पार्थ रेखाडे, यश ठाकुर, नचिकेत भुटे, दर्शन नालकंडेय, आदित्य ठाकरे, अक्षय कर्णेवार, यश कदम, शिवम देशमुख, प्रफुल्ल हिंगे और ध्रुव शौरी।

सफलता के बावजूद सूर्यकुमार यादव की फॉर्म ने भारत के लिए बढ़ाई चिंता, क्या पड़ रहा कप्तानी का दबाव?

नई दिल्ली, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव बल्ले से चमक बिखेरने में लगातार असफल हो रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में यह देखने को मिला कि जैसे ही अभिषेक आउट हुए भारत की रनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। मध्यक्रम के बल्लेबाज या तो सस्ते में पवेलियन लौटे या उन्हें रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

भारतीय टीम ने अजेय रहते हुए लगातार पांच मैच जीतकर एशिया कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत ने बुधवार को सुपर चार चरण के मैच में बांग्लादेश को हराकर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। भारतीय टीम का प्रदर्शन मौजूदा टूर्नामेंट में काफी अच्छा रहा है और टीम अजेय बनी हुई है। भारत को लगातार सफलता मिल रही है, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की फॉर्म ने उसके लिए चिंता बढ़ा दी है।

अभिषेक के आउट होने के बाद लड़खड़ा रही पारी –भारत को फाइनल से पहले अब शुक्रवार को श्रीलंका का सामना करना है। टीम इस मैच में अपना मजबूत और कमजोर पक्ष दोनों को देखना चाहेगी क्योंकि खिताब के इतने करीब आकर सूर्यकुमार की अगुआई वाली टीम कोई गलती करने से बचना चाहेगी। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल पिछले दो मैचों से टीम को अच्छी शुरुआत दिला रहे हैं। अभिषेक ने सामने से जिम्मेदारी निभाई है और लगातार दो मैच में अर्धशतक लगा चुके हैं। दूसरी ओर, सूर्यकुमार यादव बल्ले से चमक बिखेरने में लगातार असफल हो रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में यह देखने को मिला कि जैसे ही अभिषेक आउट हुए भारत की रनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। मध्यक्रम के बल्लेबाज या तो सस्ते में पवेलियन लौटे या उन्हें रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

मौजूदा एशिया कप में सूर्यकुमार का प्रदर्शन – मौजूदा एशिया कप में सूर्यकुमार चार बार बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं। उन्होंने अब तक 7, 47, 0 और 5 रनों की पारी खेली है। इससे पहले साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी वह संघर्ष करते नजर आए थे। उन्होंने उस सीरीज में 5.60 की औसत से 28 रन बनाए थे जिसमें दो बार शून्य पर आउट होना भी शामिल है। सूर्यकुमार टी20 के विस्फोटक बल्लेबाज माने जाते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से जिस तरह उनका बल्ला खामोश है, उसने भारतीय ड्रेसिंग रूम की बेचैनी बढ़ा रखी है। भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ी रहे सुनील गावस्कर ने भी इस मामले को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने एक न्यूज चैनल से कहा, कप्तान के लिए जरूरी है कि वह आकर कुछ रन बनाए। सूर्यकुमार चौथे नंबर पर आए और फिर से वही शॉट खेलकर आउट हो गए। यह उनके लिए आमतौर पर एक बहुत ही कारगर शॉट है, इसमें कोई शक नहीं। लेकिन जब आप संघर्ष कर रहे हों, तो शायद आपको तब तक नहीं खेलना चाहिए जब तक आपको परिस्थिति का पूरा अंदाजा न हो जाए। एक बार जब आप जम जाएं और 25 या 30 रन बना लें, तब आप वह शॉट खेल सकते हैं।

एशिया कप:

बांग्लादेशी गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे अभिषेक शर्मा रहे प्लेयर ऑफ द मैच, लगातार दूसरे मैच में जीता खिताब

दुबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2025 के सुपर–4 के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश को 41 रन से हरा दिया। भारतीय टीम की जीत के हीरो बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा रहे। शर्मा ने 37 गेंद पर 75 रन की पारी खेली थी। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय क्रिकेट टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाए थे। भारतीय टीम को शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ने 6.2 ओवर में पहले विकेट के लिए 77 रन जोड़कर मजबूत शुरुआत दी थी। मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने अगर अच्छी बल्लेबाजी की होती तो स्कोर 200 के आसपास हो सकता था। अभिषेक शर्मा ने 37 गेंद पर 75 रन की पारी खेली। इस पारी में 5 छक्के और 6 चौके शामिल रहे। हार्दिक पांड्या ने 29 गेंद पर 38 और गिल ने 19 गेंद पर 29 रन बनाए। शिवम दुबे 2, कप्तान सूर्यकुमार यादव 5, तिलक वर्मा 5 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल 10 रन बनाकर नाबाद रहे। 169 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश 19.3 ओवर में 127 पर सिमट गई और 41 रन से मैच हार गई। बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा 69 रन की पारी सलामी बल्लेबाज सैफ हसन ने खेली। 51 गेंद की पारी में इस बल्लेबाज ने 5 छक्के और 3 चौके लगाए। दूसरे टॉप स्कोरर परवेज हुसैन इमोन रहे। उन्होंने 21 रन बनाए। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका।

वैभव सूर्यवंशी ने 70 गेंदों पर ठोके 108 रन पर अभिज्ञान उनसे भी आगे, 87 गेंदों पर बनाए हैं 158 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया अंडर 19 टीम ने आयुष महात्रे की कप्तानी में 3 मैचों की यूथ वनडे सीरीज में मेजबान ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम को पहले दो मुकाबलो में लगातार हराते हुए इस वनडे सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया। पहले दो मैचों में इंडिया की तरफ से रन बनाने के मामले में टीम के विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू तूफानी बल्लेबाजी वैभव सूर्यवंशी से भी आगे रहे। इस सीरीज के पहले दो मैचों में अभिज्ञान ना सिर्फ भारत की तरफ से बल्कि ओवरऑल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में पहले स्थान पर हैं जबकि वैभव सूर्यवंशी उनसे ठीक नीचे यानी दूसरे नंबर पर काबिज हैं। वैभव स्ट्राइक रेट के मामले में अभिज्ञान से आगे हैं, लेकिन अभिज्ञान का औसत इन दोनों मैचों में कमाल का है।

वैभव ने बनाए हैं 70 गेंदों पर 108 रन

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले 2 वनडे मैचों में वैभव सूर्यवंशी की बैटिंग काफी आक्रामक रही है और दोनों ही मुकाबलों में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। इन दोनों मैचों में उन्होंने 70 गेंदों का सामना करते हुए 108 रन बनाए हैं जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 120.00 का रहा है जबकि औसत 54.00 का रहा है। उनका बेस्ट स्कोर इन मैचों में 70 रन है और उनके बल्ले से 12 चौके और 7 छक्के लगाए हैं जबकि एक अर्धशतक उनके बल्ले से निकला है।

अभिज्ञान के बल्ले से निकले हैं 158 रन

भारतीय अंडर 19 टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने टीम की सीरीज जीत में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों मैचों में उन्होंने टीम के लिए अहम पारी खेली और 2 मैचों में उन्होंने 158.00 की तगड़ी औसत के साथ 158 रन बनाए हैं और एक बार नाबाद भी रहे।

मोहम्मद शमी का टेस्ट करियर खत्म

वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज से नाम क्यों गायब... BCCI का प्लान B तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है. लेकिन इस टीम में एक बार फिर मोहम्मद शमी को मौका नहीं मिला. ऐसे में एक तरह से माना जा रहा है कि अब भारतीय टेस्ट टीम से उनका बोरिया बिस्तर लगभग बंध गया है. वेस्टइंडीज की टीम अगले महीने अक्टूबर में दो टेस्ट खेलने के लिए भारत आ रही है. 35 साल के मोहम्मद शमी ने टेस्ट में आखिरी बार भारत के लिए जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में खेला था. तेज गेंदबाज शमी ने अब तक 64 टेस्ट मैचों 229 विकेट निकाले हैं. उस सीरीज के बाद से लगातार भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी अटैक में वो जगह बनाने में नाकाम रहे.

क्यों शमी का टेस्ट टीम से पत्ता कटा, क्या चोटिल रहना वजह – इंग्लैंड दौरे पर मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और जसप्रीत बुमराह मेन पेस गेंदबाज थे. अर्शदीप सिंह भी इस दौरे पर गए थे, वहीं अंशुल कम्बोज को भी डेब्यू करने का मौका मिला था. हर्षित राणा इंग्लैंड दौरे पर बैकअप प्लेयर के तौर पर गए थे. ऐसे में भारत के पास युवा तेज गेंदबाजों का पूल तैयार है. वहीं शमी अब 35 साल के हैं, ऐसे में ड्ड्रञ्जष्ट की मौजूदा साइकिल (2025-27) के अंत तक उनकी उम्र 37 साल हो जाएगी. वहीं दूसरी बात यह भी है कि शमी का हाल में किसी फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी प्रदर्शन बहुत शानदार नहीं रहा है.

'क्रिकेट से मस्ती नहीं...',

सुनील गावस्कर ने गौतम गंभीर-सूर्यकुमार यादव को एशिया कप फाइनल से पहले चेताया

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया ने एशिया कप टी20 के फाइनल में जगह बना ली है. भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में लगातार 5वीं जीत दर्ज करते हुए बांग्लादेश को 41 रनों से हराया. हालांकि मैच से पहले बल्लेबाजों की गलतियों ने चिंता बढ़ा दी. अब तक चमकते रहे बल्लेबाजी क्रम में उलटफेर का खामियाजा इस मैच में साफ दिखाई दिया. ओपनर अभिषेक शर्मा ने 37 गेंदों में तूफानी 75 रन ठोके, लेकिन उनके आउट होते ही (12वें ओवर की पहली गेंद पर) भारत का स्कोर 112/3 हो गया. इसके बाद बल्लेबाजों ने रफ्तार खो दी और अंत तक संघर्ष करते हुए भारत 168/6 तक ही पहुंच सका. इस मैच में शिवम दुबे को अप्रत्याशित रूप से नं. 3 पर भेजा गया, तिलक वर्मा को नं. 6 पर उतारा गया और संजू सैमसन को तो बल्लेबाजी का मौका ही नहीं मिला क्योंकि उन्हें नं. 8 पर रखा गया था.

इसी बदलाव पर महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कड़ी नाराजगी जताई और मुख्य कोच गौतम गंभीर तथा कप्तान सूर्यकुमार यादव को चेतावनी देते हुए कहा- क्रिकेट से मस्ती नहीं की जाती. गावस्कर ने आजतक से कहा. क्रिकेट मस्ती के लिए नहीं होता. जिस तरह बल्लेबाजी क्रम में उलटफेर किया गया, वह नहीं होना चाहिए था. 168 रन पर्याप्त नहीं थे. बांग्लादेश भले ही लक्ष्य का पीछा न कर पाया, लेकिन कोई मजबूत टीम इसे भारत के लिए समस्या बना सकती थी.

गावस्कर ने कहा कि टीम में संजू सैमसन की भूमिका को लेकर स्पष्टता नहीं है. उनका मानना है कि शिवम दुबे को टॉप ऑर्डर में भेजना सही कदम नहीं था और जरूरत से ज्यादा प्रयोग करने से बचना चाहिए. गावस्कर ने कहा, आपने संजू सैमसन को ओपनिंग से हटाकर विकेटकीपर बना दिया, फिर उन्हें कभी नंबर 5 पर, तो कभी फिनिशर की भूमिका में भेजते हैं. शिवम दुबे का काम 6 या 7 नंबर पर आकर 10 गेंदों में 20-25 रन बनाना है. लेकिन आपने उन्हें तीसरे नंबर पर भेज दिया, जहां वे एडजस्ट ही नहीं कर पाए और आउट हो गए. मेरी नजर में इतने प्रयोग ठीक नहीं हैं.

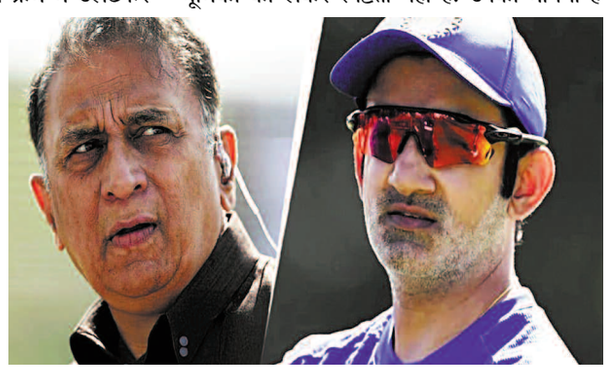

रोहित शर्मा कमबैक पर दहाड़ने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर चर्चा में हैं। 37 साल के रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से वापसी की तैयारी करते हुए अपनी फिटनेस में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने ट्रेनिंग के दौरान करीब 10 किलो वजन कम किया। उनके करीबी दोस्त और भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर ने मुंबई में रोहित की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। दरअसल, रोहित शर्मा को लेकर अभिषेक नायर ने एक स्टोरी शेयर की, जिमसें उन्होंने लिखा, ÷10,000 ग्राम यानी 10 किलो कम करने के बाद भी हम मेहनत जारी रखते हैं। यह पोस्ट तेजी से वायरल हो गया और फैंस और साथी खिलाड़ी उनकी फिटनेस की तारीफ कर रहे हैं।

जिम में कड़ी मेहनत कर रहे हिटमैन – रोहित आईपीएल 2025 के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं। अब वह जिम में कमबैक के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं। नायर की देखरेख में उन्होंने ट्रेनिंग की और नया लुक हासिल किया है।

कब खेला था रोहित ने आखिरी मैच – रोहित आखिरी बार मार्च में भारत के लिए खेले थे, जब उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतकर टीम को खिताब दिलाया था।

फिटनेस टेस्ट पास किया – सितंबर की शुरुआत में बीसीसीआई नेशनल क्रिकेट अकादमी , बेंगलुरु में रोहित ने फिटनेस टेस्ट हुए। रोहित ने यहां यो-यो टेस्ट और ष्ठङ्ग स्कैन (हड्डियों की मजबूती का टेस्ट) आसानी से पास किया। वहीं विराट कोहली ने लंदन से ही अपना फिटनेस रिपोर्ट भेजा और उन्हें टेस्ट से छूट मिली।

कब करेंगे रोहित वापसी – रोहित शर्मा 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में वापसी करेंगे। यह चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद उनका पहला इंटरनेशनल मैच होगा।

हारिस रऊफ और साहिबजादा को मिलेगी भारत से बदतमीजी करने की सजा! आईसीसी लेगा एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई में खेले गए एशिया कप 2025 सुपर-4 मुकाबले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. अब यह मामला सीधे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद तक पहुँच गया है. बीसीसीआई ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के व्यवहार के लेकर सख्त कदम उठाते हुए उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की है.पाकिस्तान के गेंदबाज हारिस रऊफ और बल्लेबाज साहिबजादा फरहान के खिलाफ आईसीसी में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है. आरोप है कि इन दोनों खिलाड़ियों ने मैच के दौरान भड़काऊ और आपत्तिजनक इशारे किए थे. 21 सितंबर को खेले गए इस मैच में रऊफ ने ऐसा इशारा किया, मानो विमान को गिरते हुए दिखाया जा रहा हो. माना जा रहा है कि उन्होंने यह भारतीय सेना की कार्रवाई का मजाक उड़ाने के लिए किया. इसके अलावा, गेंदबाजी के दौरान उन्होंने शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा को अपशब्द भी कहे, जिनका जवाब दोनों बल्लेबाजों ने अपने बल्ले से दिया. वहीं, साहिबजादा फरहान ने अर्धशतक लगाने के बाद बल्ले को मशीनगन की तरह चलाने वाला जश्न मनाया. इसे लेकर सोशल मीडिया पर उनकी कड़ी आलोचना हुई. खुद फरहान ने बाद में कहा, वह बस एक पल का सेलीब्रेशन था, मुझे फर्क नहीं पड़ता लोग कैसे लेंगे।

ट्रेलर से पहले मेकर्स ने जारी किया 'थामा' का नया पोस्टर

बड़ी खबर लेकर कल आएगी 'स्त्री'

मैडॉक के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म 'थामा' के ट्रेलर का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है। आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म 'थामा' को लेकर काफी बज बना हुआ है। फैंस फिल्म के बारे में छोटी सी छोटी अपडेट तक जानना चाह रहे हैं। अब जबसे मेकर्स ने 26 सितंबर को फिल्म का ट्रेलर रिलीज करने की घोषणा की है, तब से फिल्म को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है। अब आज मेकर्स ने फिल्म का एक और नया पोस्टर जारी किया है।

मेकर्स ने जारी किया फिल्म का नया पोस्टर

'थामा' के ट्रेलर को लेकर मेकर्स ने दर्शकों में काफी उत्साह बढ़ा दिया। मेकर्स ट्रेलर लॉन्च इवेंट को ग्रैंड बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। अब मेकर्स ने ट्रेलर रिलीज से एक दिन पहले फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में आयुष्मान और रश्मिका दोनों ही नजर आ रहे हैं। पोस्टर में रश्मिका इंटेंस लुक में दिख रही हैं, जबकि आयुष्मान डरे हुए से रश्मिका के कंधों पर सवार हैं। कंधे पर बैग टांगे आयुष्मान काफी घबराए हुए लग रहे हैं। आसपास में पेड़ और जंगल नजर आ रहा है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, 'स्त्री आएगी और THAMMAKE वाली न्यूज लाएगी।' थामा के ट्रेलर की गिनती शुरू, सिर्फ एक दिन है बाकी।

पेनकिलर्स लेकर नाश्ता करते थे सलमान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान हाल ही में काजोल और ट्विंकल के शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल में नजर आए। इस शो के दौरान उन्होंने अपनी एक गंभीर बीमारी ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया के बारे में खुलकर बात की। हाल ही में सलमान खान ने अमेजन प्राइम के शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल में शिरकत की। इस दौरान भाईजान ने अपनी ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया नाम की तंत्रिका संबंधी बीमारी के बारे में खुलकर बताया। सलमान ने बताया कि उन्हें इस बिमारी के कारण दांतों में बहुत तेज दर्द होता था कि उन्हें एक ऑमलेट खाने में उन्हें डेढ़ घंटा लग जाता था। टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल शो के दौरान सलमान खान ने बताया कि एक समय उन्हें ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया बीमारी थी। जिसके कारण उन्हें बहुत तेज दर्द होता था। इस दर्द ने उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को बहुत मुश्किल कर दिया था। सलमान ने कहा, इस बीमारी के साथ जीना पड़ता है। यह दर्द इतना भयानक था कि मैं नहीं चाहता कि मेरे सबसे बड़े दुश्मन को भी ऐसा दर्द हो। साढ़े सात साल तक मुझे हर 4-5 मिनट में तेज दर्द होता था।

करीना कपूर ने शुरू की मेघना-पृथ्वीराज के साथ अपनी 68वीं फिल्म दायरा की शूटिंग

करीना कपूर ने निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म दायरा की शूटिंग शुरू कर दी है। आज करीना ने फिल्म के सेट से पहले दिन का एक खास वीडियो सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान, जो 25 साल से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में हैं। उन्होंने अपनी 68वीं फिल्म दायरा की शूटिंग शुरू कर दी है। जिसकी एक खास झलक करीना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है।

दीपिका ने इशारों में बताई कल्कि...के सीक्वल से बाहर होने की सच्चाई

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण अब कल्कि एडी 2898 के सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। यह फिल्म पहले भाग की सफलता के बाद दर्शकों के बीच काफी चर्चा में है, लेकिन अब इसके दूसरे भाग में दीपिका नजर नहीं आएंगी। इस खबर की पुष्टि खुद फिल्म के निर्माताओं ने की। वैजयंती मूवीज ने पोस्ट में लिखा, कल्कि एडी 2898 जैसी फिल्म को पूरे समर्पण की जरूरत होती है। लंबे समय तक साथ काम करने के बावजूद, इस बार हमारे और दीपिका के बीच साझेदारी नहीं बन पाई। इसलिए यह फैसला लेना पड़ा। हम दीपिका को उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

हालांकि, फैंस इस फैसले के पीछे की असली वजह पर काफी अटकलें लगा रहे हैं। माना जा रहा है कि दीपिका पादुकोण अपनी अन्य फिल्मों और ब्रांड कमिटमेंट्स में बिजी हैं, जिस कारण वह कल्कि सीक्वल को समय नहीं दे पा रही हैं। मेकर्स के इस फैसले के बाद दीपिका ने इंस्टाग्राम पर एक रहस्यमय पोस्ट साझा किया। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, फिल्म की सफलता से ज्यादा जरूरी यह होता है कि आप किन लोगों के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि वह इस वक्त शाहरुख खान की फिल्म किंग की शूटिंग में व्यस्त हैं। दीपिका ने लिखा, 18 साल पहले ओम शांति ओम की शूटिंग के दौरान शाहरुख ने मुझे सिखाया था कि फिल्म बनाते वक्त का अनुभव और आपकी टीम सबसे ज्यादा मायने रखती है। गौरतलब है कि कल्कि एडी 2898 में दीपिका ने सुमति नाम की महिला का अहम किरदार निभाया था। उनका किरदार एक प्रेग्नेंट महिला का था, जो एक वैज्ञानिक प्रोजेक्ट का हिस्सा थी और जिसे भविष्य में कल्कि नामक महायोद्धा की मां बनने की भविष्यवाणी से जोड़ा गया था। उनकी भूमिका को दर्शकों ने काफी सराहा था। वहीं, दीपिका की नई फिल्म किंग का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं और इसमें शाहरुख खान एक डॉन की भूमिका में हैं, जो अपनी बेटी को खतरनाक दुनिया में जीना सिखाते हैं।

श्रीराम पर बनेगी एनिमिटेड फिल्म, कुणाल कपूर-मौनी रॉय देंगे आवाज

भगवान श्रीराम पर बन रही एनिमेटेड फिल्म 'महायोद्धा राम' का निर्माताओं ने एलान कर दिया है। साथ ही घोषणा की गई है कि कुणाल कपूर और मौनी रॉय इसमें अपनी आवाज देंगे।

भगवान श्रीराम पर बन रही एनिमेटेड फिल्म 'महायोद्धा राम' का निर्माताओं ने एलान कर दिया है। साथ ही घोषणा की गई है कि कुणाल कपूर और मौनी रॉय इसमें अपनी आवाज देंगे। इतना ही नहीं मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी जारी कर दी है।

मेकर्स ने गुरुवार के दिन एनिमेटेड फिल्म महायोद्धा राम का एलान किया है। इस फिल्म में कई दिग्गज एक्टर्स अपनी आवाज देंगे।

फिल्म में श्रीराम की आवाज कुणाल कपूर बनेंगे, तो जिमी शेरगिल भगवान लक्ष्मण की आवाज देंगे। इसके अलावा माता सीता की आवाज मौनी रॉय बनेंगी और लंकाधिपति रावण की दमदार आवाज को गुलशन ग्रोवर देंगे। ये कलाकार अपनी वॉइस से दर्शकों को मोहित कर सकते हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

यह फिल्म इसी साल दीवाली के मौके पर रिलीज किया जाएगी, जब भगवान श्रीराम के रंग में पूरा देश रंगा होता है। महायोद्धा राम फिल्म 17 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। साथ ही आपको बताते चलें कि ये फिल्म 3 डी वर्जन में दर्शकों को देखने को मिलेगी, जो शानदार अनुभव प्रदान करने का वादा करता है।

रानी मुखर्जी ने पिता को समर्पित किया नेशनल अवॉर्ड

अभिनेत्री रानी मुखर्जी को हाल ही में फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला है। अवॉर्ड मिलने पर उन्होंने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अपने 30 साल के करियर का पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतना एक भावुक क्षण है। रानी ने यह सम्मान अपने दिवंगत पिता राम मुखर्जी को समर्पित किया।

नेशनल फिल्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रानी मुखर्जी को मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे में उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार प्रदान किया। आशिमा छिब्बर द्वारा निर्देशित यह फिल्म मार्च 2023 में रिलीज हुई। अवॉर्ड मिलने पर रानी ने कहा एक अभिनेत्री के रूप में अपने 30 साल के सफर में पहला राष्ट्रीय पुरस्कार पाकर मैं सचमुच अभिभूत हूं। यह सम्मान मेरे लिए मेरी दुनिया है। मैं इसे अपने दिवंगत पिता को समर्पित करना चाहती हूं, जिन्होंने हमेशा मेरे लिए इस पल का सपना देखा था।

मां से मिली प्रेरणा

47 साल की अभिनेत्री ने बयान में कहा आज मुझे उनकी बहुत याद आ रही है और मैं जानती हूं कि यह उनका आशीर्वाद और मेरी मां की प्रेरणा है, जिसने मुझे श्रीमती चटर्जी की भूमिका निभाने में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने अपने प्रशंसकों और मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के कलाकारों और क्रू के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

फैंस का शुक्रिया अदा किया

रानी मुखर्जी ने कहा मिसेज चटर्जी बनाम नॉर्वे की पूरी टीम ने इस शक्तिशाली कहानी में अपना दिल लगा दिया। मैं उनमें से प्रत्येक के प्रति बहुत आभारी हूं। मेरे फैंस हर उतार-चढ़ाव में मेरे साथ खड़े रहने के लिए आपका धन्यवाद। आपका अटूट प्यार और समर्थन मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा रही है। मैं जानती हूं कि यह पुरस्कार आप सभी के लिए कितना मायने रखता है। यह देखकर मुझे बहुत खुशी और आनंद मिलता है कि आप कितने खुश हैं।

भस्म आरती में शामिल हुए संजय दत्त उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में की पूजा-अर्चना

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त ने उज्जैन के प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती में हिस्सा लिया और भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। गुरुवार सुबह बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में नवरात्रि उत्सव के दौरान भस्म आरती में भाग लिया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। संजय दत्त ने उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन किए। जहां वे साधारण पारंपरिक पोशाक में अन्य भक्तों के साथ भक्ति में डूबे दिखे। संजय को मंदिर के नंदी हॉल में बैठकर भस्म आरती करते हुए देखा गया। महाकालेश्वर मंदिर मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर में है और यह भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि यहां का शिवलिंग स्वयंभू है, जो अपनी शक्ति से प्रकट हुआ है। मध्य प्रदेश में एक और ज्योतिर्लिंग, ओंकारेश्वर, भी है, जो महाकालेश्वर से करीब 140 किमी दूर है। यह मंदिर, भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक, शिप्रा नदी के तट पर स्थित है और इसका विशेष धार्मिक महत्व है।

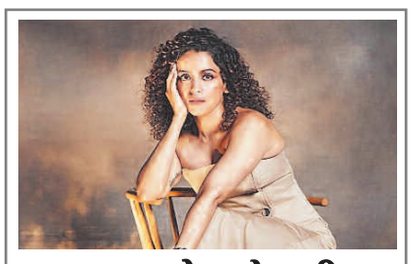

सान्या मल्होत्रा ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीत का अनोखे अंदाज़ में किया सेलिब्रेट

कटहल के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद, स्टार कलाकार सान्या मल्होत्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह अपनी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों में क्यों शामिल हैं। उनका सोशल मीडिया कैप्शन – कटहल नहीं मिला तो क्या हुआ, राष्ट्रीय पुरस्कार तो मिल गया – इस जश्न के मूड को बखूबी बयां करता है, जो उनके प्रशंसकों और फिल्म जगत के बीच लंबे समय से इंतज़ार था। लेकिन यह सफलता कोई अकेली उपलब्धि नहीं है। सान्या का 2025 का सफर असाधारण संतुलन का प्रतीक है – 'सैम बहादुर' और शाहरुख़ ख़ान की 'जवान' में उनके प्रदर्शन को भी राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाज़ा गया। चाहे भावनात्मक गहराई वाले किरदार हों या बड़े पैमाने पर बनी व्यावसायिक फ़िल्में – सान्या ने दिखा दिया कि वे हर क्षेत्र में निपुण हैं। जहां 'कटहल' ने उन्हें आलोचनात्मक सराहना और राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया, वहीं उनकी आने वाली फिल्में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' और एक ऐक्शन-कॉमेडी फ़िल्म (जिसकी शूटिंग इस साल शुरू होगी) उनके मेनस्ट्रीम स्टारडम को और मजबूत करती हैं।

विक्की जैन का बॉलीवुड डेब्यू, पत्नी अंकिता ने दी बधाई

टीवी सीरियल 'पवित्र रिश्ता' से मशहूर हुईं एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति भी अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। वह यामी गौतम और इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म हक से बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। अंकिता लोखंडे ने अपनी पोस्ट में लिखा, मुझे आप पर बहुत गर्व है, प्यारे पति विक्की जैन। आपका हर कदम, आपकी हर उपलब्धि मुझे और भी ज्यादा उत्साहित करती है। अब इस अद्भुत फिल्म हक के सहयोगी निर्माता के रूप में आपकी लगन, कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता पहले से कहीं ज्यादा चमक रही है। उन्होंने फिल्म की टीम की सराहना करते हुए आगे लिखा, पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद। विनीत सर, यामी, इमरान हाशमी, वर्तिका सिंह, संदीप, विशाल, जूही और इसमें शामिल सभी लोग। आप सभी को शुभकामनाएं। यह फिल्म लोगों के दिलों को छू लेगी और मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हूं। 7 नवंबर को यह रिलीज होने वाली है, तारीख याद रखें। अंकिता ने आगे लिखा, संदीप सिंह, आप मेरे परिवार का हिस्सा हैं। एक प्रमुख अभिनेत्री के रूप में मेरी पहली फिल्म आपके साथ थी और अब विक्की के सफर के साथ। हमारा यह संबंध और भी मजबूत होने जा रहा है। आपके साथ होना हमारे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। हमेशा आगे बढ़ते रहें।